वर्ष : 18 अंक: 72 ग्वालियर

बुधवार 16 अप्रैल 2025

पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छतीसगढ़ से प्रकाशित

चम्बल सुर्खी

उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 36 डिग्री
न्यूनतम 22 डिग्री

बंगाल हिंसा पर सीएम योगी की दो टूक

दंगाइयों का इलाज ही डंडा है, लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले

लखनऊ ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर एक बार फिर ममता सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं। सीएम योगी ने यह भी कहा कि लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं? सीएम योगी ने मंगलवार को हरदोई में अमर सेनानी राजा नरपति सिंह स्मारक स्थल पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि याद कीजिए 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश को, हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था, इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के मानेंगे नहीं। आप देख रहे होंगे कि बंगाल जल रहा है, वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं, लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं, लेकिन सेकुलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगा करने की पूरी छूट दे रखी है। सीएम योगी ने ममता सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है, राज्य सरकार मौन है, इस

प्रकार की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए और मैं वहां के न्यायालय को इस बात के लिए धन्यवाद दूंगा कि जिन्होंने वहां पर केंद्रीय बलों की तैनाती करके अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। उन्होंने विपक्षी दलों की चुप्पी पर कहा कि सब लोग मौन हैं, मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मौन हैं, टीएमसी मौन है, वे धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, बांग्लादेश के अंदर जो हुआ था, उसका समर्थन कर रहे हैं, अगर उन्हें बांग्लादेश अच्छा लगता है, तो उन्हें बांग्लादेश जाना चाहिए, क्यों भारत की धरती पर बोझ बने हुए हैं? सीएम योगी ने जिक्र किया कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं, जिन्होंने वक्फ कानून को लाकर गरीबों की जमीनों पर डकैती पर लगाम लगाने का काम किया है, अब जो जमीन वापस आएगी, उस पर अस्पताल, गरीबों के लिए घर, ऊंची इमारतें, स्कूल और विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे। निवेश के लिए भूमि बैंक बनाया जाएगा। लेकिन, किसी को भी जमीन पर कब्जा करने और गुंडागर्दी करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इसलिए ये लोग चिंतित हैं क्योंकि जमीन के नाम पर लूट बंद होने वाली है। उन्होंने वक्फ कानून का विरोध करने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि वे सभी परेशान हैं कि अब उनके गुर्गे खाली हो जाएंगे, जो पहले जनता को लूटते थे, इनको अब भय है कि इनके द्वारा पाले गए गुर्गे भस्मासुर बन जाएंगे और इन्हें ही ना लूटना शुरू कर दें। इसलिए, ये अब वक्फ के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं और उन्हें गुमराह करने का काम कर रहे हैं।

ईमानदारी, सच्चाई और सादगी के जीवन मूल्यों का पालन करने वाले अधिक सुखी : राष्ट्रपति मुर्मू

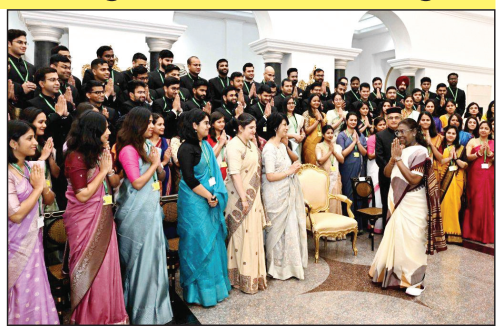

नई दिल्ली ,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत 2023 बैच के आईएएस अधिकारियों के समूह से राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे असाधारण दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से अधिकारी बने हैं। इससे उनके निजी जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। उन्हें अब अधिक दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ अनगिनत लोगों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने का अवसर मिला है। उनके सेवा और अधिकार का क्षेत्र इतना व्यापक है कि वे अपनी पहली पोस्टिंग में ही कई नागरिकों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

उन्होंने आईएएस अधिकारियों को वंचितों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सलाह दी कि अधिकारी अपने करियर के दौरान कुछ समय बाद पोस्टिंग वाले स्थानों पर जाएं और अपने काम के दूरगामी परिणाम देखें। अधिकारियों को लोक सेवकों के अधिकारों और कर्तव्यों को ध्यान में रखना चाहिए। एक लोक सेवक के कर्तव्य उसकी जिम्मेदारियां हैं और उसके अधिकार उन कर्तव्यों को पूरा करने का साधन हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उनके करियर की असली कहानी उनके काम से बनेगी, न कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने से। उनकी असली सामाजिक संपत्ति उनके अच्छे काम से तय होगी। प्रत्येक लोक सेवक को ईमानदारी और उद्देश्य के साथ काम करना चाहिए। पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का हम सभी सामना कर रहे हैं। नैतिकता और मूल्यों का क्षरण भी बहुत गंभीर चुनौतियां हैं। निष्ठावान और ईमानदार होने के बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है। ईमानदारी, सच्चाई और सादगी के जीवन मूल्यों का पालन करने वाले लोग अधिक सुखी रहते हैं। लोक सेवा में ईमानदारी सबसे वांछनीय नीति है। लोक सेवक से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जीवन के हर क्षेत्र में निष्ठा और संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में लोगों की आकांक्षाएं बढ़ रही हैं। वे प्रशासकों की जवाबदेही के प्रति जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को आमजनों के साथ निकटता बढ़ाने और स्थानीय प्रयासों में उनकी भागीदारी बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के जनहित के मुद्दों को हल करने की भी सलाह दी।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी कश्मीर को देंगे बड़ी सौगात, 19 अप्रैल को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

जम्मू,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को रियासी जिले के कटरा कस्बे में श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन से कश्मीर के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन का उद्घाटन करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से आज रेलवे और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को इसकी पुष्टि भेज दी गई है. इसके साथ ही कटरा के खेल स्टेडियम में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे. अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री 19 अप्रैल को सुबह 10 बजे उधमपुर पहुंचेंगे और उसके बाद वह दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का प्रत्यक्ष अवलोकन करने के लिए चिनाब रेलवे ब्रिज के लिए उड़ान भरेंगे।

अयोध्या में 'राम मंदिर' को बम से उड़ाने की धमकी, प्रशासन में मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली ,एजेंसी। आयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार राम जन्मभूमि ट्रस्ट के मेल पर धमकीभरा मेल आया था, जिसमें लिखा था मंदिर की सुरक्षा बढ़ा लो, अगर ऐसा नहीं होगा तो राम मंदिर को बम से उड़ा दिया जाएगा। इस धमकी भरे मेल के पहुंचने के बाद व्यापक सर्च ऑपरेशन भी चलाया गया। अयोध्या के साथ साथ बाराबंकी और अन्य पड़ोसी जिलों में भी सतर्कता बढ़ाई गई। इस मामले में राम जन्मभूमि ट्रस्ट कार्यालय के अकाउंट ऑफिसर महेश कुमार ने मुकदमा दर्ज करवाया है। अयोध्या के साथ-साथ बाराबंकी चंदौली समेत कई अन्य जिलों के जिलाधिकारियों को भी धमकी भरा मेल आया है।

सत्येंद्र जैन मानहानि मामला: दिल्ली कोर्ट से बांसुरी स्वराज को मिला चार हफ्ते का समय

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की ओर से दायर आपराधिक मानहानि याचिका खारिज करने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका का जवाब देने के लिए बांसुरी स्वराज को चार हफ्ते का समय दे दिया है. स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई को करने का आदेश दिया।

आज सुनवाई के दौरान बांसुरी स्वराज की ओर से पेश वकील ने जवाब देने के लिए समय देने की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. सेशंस कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 7 मार्च को नोटिस जारी किया था. 20 फरवरी को एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने सत्येंद्र जैन की याचिका खारिज करने का आदेश दिया था. मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई के दौरान बांसुरी स्वराज ने अपने जवाब में सत्येंद्र जैन की याचिका को राजनीति से प्रेरित बताया था. सुनवाई के दौरान बांसुरी स्वराज की ओर से पेश वकील ने कहा था कि जैन की ओर से लगाए गए आरोप दिल्ली में विधानसभा चुनाव की वजह से लगाए गए हैं।

तेजस्वी बोल: अमित शाह नीतीश को सीएम फेस नहीं बताते

दिल्ली में राहुल-खड़गे के साथ 45 मिनट मीटिंग

पटना,एजेंसी। दिल्ली में आज यानी मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की मीटिंग हुई। यह मीटिंग लगभग 45 मिनट चली। बैठक के बाद खड़गे आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि, जो भी चीजें हैं, मिलकर बैठकर तय हो जाएंगी।

सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा- बातचीत से सब फाइनल होगा। आपलोग चिंता न करें। कितने सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार में हमारी सरकार बनेगी यह तय है। बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहें।

वहीं राजद की ओर से तेजस्वी यादव के साथ-साथ राजद सांसद मनोज झा, और संजय यादव भी मीटिंग में शामिल हुए। वहीं बिहार कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मीटिंग में शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार अल्लावरू और तेजस्वी की ये पहली मुलाकात रही, वहीं 6 अप्रैल को राजेश राम ने राबड़ी आवास जाकर तेजस्वी से मुलाकात की थी।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में दायर किया पहला आरोपपत्र, सोनिया गांधी और राहुल का नाम

नईदिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में अपना पहला आरोपपत्र दायर किया है। इसमें कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी का भी नाम शामिल है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य नाम भी शामिल किए गए हैं। कोर्ट ने मामले पर सुनवाई के लिए 25 अप्रैल की तारीख तय की है। 2013 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने एक याचिका दायर कर राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एजेएल के अधिग्रहण में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। उनका आरोप था कि यंग इंडिया लिमिटेड

(वाईआईएल) के जरिए इसका गलत तरीके से अधिग्रहण किया गया और इससे कांग्रेस नेताओं ने 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हथिया ली। सोनिया और राहुल के पास वाईआईएल में 38-38 प्रतिशत शेयर हैं। मामले में सोनिया-राहुल से पूछताछ भी हुई है।

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के प्रर्त्यपण की तैयारी, भारत लाने के लिए सीबीआई-ईडी भेजेगी टीम

नई दिल्ली ,एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी के बाद उसे भारत लाने की कवायद तेज हो गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) की एक संयुक्त टीम जल्द ही प्रत्यर्पण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए बेल्जियम रवाना होगी। चोकसी की गिरफ्तारी के बाद CBI और ED के शीर्ष अधिकारियों ने बैठकें कीं और आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। योजना के तहत, दोनों जांच एजेंसियों के दो से तीन अधिकारियों की एक संयुक्त टीम अपने कानूनी सलाहकारों के साथ बेल्जियम जाएगी। यह टीम प्रत्यर्पण के लिए जरूरी दस्तावेज तैयार करेगी और स्थानीय सरकार के साथ समन्वय स्थापित करेगी ताकि चोकसी को जल्द से जल्द भारत लाया जा सके।

हेमंत सोरेन चुने गए झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष, 13वें महाधिवेशन में सर्वसम्मति से लिया गया फैसला

रांची,एजेंसी। झामुमो के 13वें महाधिवेशन में सीएम हेमंत सोरेन को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। 38 वर्षों तक पार्टी के संस्थापक और दिग्गज नेता शिबू सोरेन के अध्यक्ष रहने के बाद अब ये जिम्मेदारी उनके बेटे हेमंत सोरेन को मिली है। 15 अप्रैल 2025 को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया. झामुमो के 13वें महाधिवेशन में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष चुना गया. इससे पहले जेएमएम के 13 वें महाधिवेशन में केन्द्रीय समिति सदस्यों की जिलावार घोषणा की गई. केन्द्रीय समिति सदस्य में कुल 284 सदस्य हैं। इसकी घोषणा पार्टी के केन्द्रीय महासचिव विनोद पांडे ने की. केन्द्रीय समिति सदस्य में पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद भी शामिल हैं। नलिन

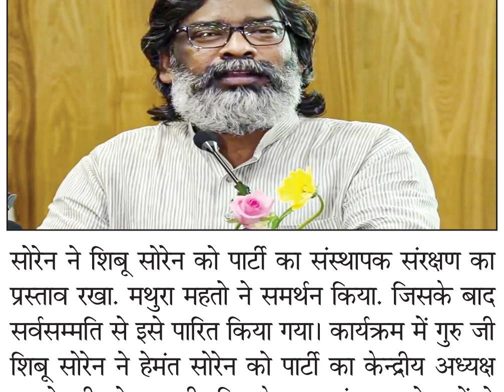

सोरेन ने शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक संरक्षण का प्रस्ताव रखा. मथुरा महतो ने समर्थन किया. जिसके बाद सर्वसम्मति से इसे पारित किया गया। कार्यक्रम में गुरु जी शिबू सोरेन ने हेमंत सोरेन को पार्टी का केन्द्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की. जिसके बाद मंच पर नेताओं ने माला पहनाकर हेमंत सोरेन को बधाई दी।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने निजी स्कूल में फीस अनियमितता की शिकायत पर दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मॉडल टाउन स्थित एक निजी स्कूल में अभिभावकों द्वारा फीस वसूली में अनियमितता और बच्चों को स्कूल से निकाले जाने की शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लिया है। सीएम ने इस मामले में तत्काल जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। सीएम रेखा गुप्ता ने साफ किया है कि शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता, समानता और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है और किसी भी अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो के कैप्शन में सीएम ने कहा, आज (मंगलवार को) जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान क्वीन मैरी स्कूल, मॉडल टाउन से संबंधित एक मामला सामने आया, जिसमें बच्चों के परिजनों ने गलत तरीके से फीस वसूली और बच्चों को स्कूल से निकाले जाने की शिकायत दर्ज की। इस विषय पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर कड़ी और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता, समान अवसर और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार का अन्याय, शोषण या अनियमितता को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है, इसमें कोई ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। हमारा संकल्प स्पष्ट है, हर बच्चे को न्याय, सम्मान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। सीएम के द्वारा जारी वीडियो में एक छात्रा के पिता कह रहे हैं कि गैर कानूनी फीस न भरने के कारण हमारी बच्ची को स्कूल में बंधक बना कर रखा गया। बच्ची ने इसकी शिकायत हमसे की। इसके बाद हम स्कूल प्रशासन के पास गए और इस मामले की शिकायत की। उनका रवैया नहीं बदला।

जिस अस्पताल से बच्चा चोरी हो उसका लाइसेंस सस्पेंड किया जाए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार

को फटकार लगाई और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए राज्यों को पालन करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी नवजात बच्चे को हॉस्पिटल से चुराया जाता है तो सबसे पहले उस अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड होना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली- एनसीआर में नवजात बच्चों की तस्करी के गैंग के पर्दाफाश से जुड़ी खबर पर संज्ञान लेते हुए की। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने सख्त निर्देश देते हुए निचली अदालतों को बाल तस्करी के मामलों की सुनवाई 6 महीने में पूरी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली गैंग के पर्दाफाश की घटना अपने आप मे हतप्रभ कर देने वाली है और कोर्ट के दखल की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड ट्रैफिकिंग के मामले में भारतीय इंस्टीट्यूट की तरफ दिए गए सुझावों को अपने फैसले में जगह दी है और सभी राज्य सरकारों कहा है कि उसे पढ़ कर अमल करें।

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन प्रारंभ करने की सैद्धांतिक स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में नवीन पदों की स्वीकृति

भोपाल,एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी। मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 एवं वर्ष 2024 में 723 होकर 323 प्रतिशत हो गयी है। कृषि विकास दर (प्रतिशत में) 2002-2003 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट (करोड़ रूपये) वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है।

संबल योजना में ईपीओ जारी, खाते में आयेगी राशि

स्पोन्सरशिप योजना में 4 बच्चों को मिलेगा लाभ, जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा दिये गये निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा जनसुनवाई करते हुए आवेदको की समस्याओं के निराकरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये गये। इस दौरान संबल योजना के तहत ग्राम रीझेठा निवासी श्री ज्ञान सिंह बंजारा द्वारा पत्नि स्व. श्रीमती कमला देवी की मृत्यु हो जाने से मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह राशि प्रदान किये जाने संबंधी आवेदन के परीक्षण उपरांत आवेदक को अवगत कराया कि ईपीओ जारी हो चुका है तथा शीघ्र ही खाते में दो लाख रूपये की राशि आयेगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कुल 97 आवेदन प्राप्त हुए।

स्पोन्सरशिप योजना में 4 बच्चों को मिलेगा लाभ

सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा ग्राम श्यामपुर निवासी स्व. श्री हरिपाल मोगिया के 4 बच्चों को स्पोन्सरशिप योजना में लाभ दिये जाने के निर्देश महिला बाल विकास अधिकारी श्री ओपी पाण्डेय को दिये गये। जनसुनवाई में बच्चों को लेकर आई दादी श्रीमती गुड्डी मोगिया ने बताया कि उसके पुत्र तथा बच्चो के पिता की मृत्यु हो गई है तथा मॉ बच्चों को छोडकर चली गई है, ऐसे में बच्चें के भरण पोषण में कठिनाई आ रही है। इस पर बच्चो के नाम योजना के तहत जोडने के निर्देश दिये गये। उल्लेखनीय है मिशन वात्सल्य अंतर्गत स्पोन्सरशिप योजना में ऐसे बच्चों को 4 हजार रूपये प्रति बच्चे के मान से सहायता प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत पंजीयन करने के निर्देश

सीईओ जिला पंचायत श्री गुर्जर द्वारा ग्राम मावदा निवासी श्री रामकेश बैरवा के आवेदन पर विवाह हेतु मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत पंजीयन किये जाने के निर्देश सीईओ जनपद श्री एसएस भटनागर को दिये गये। उल्लेखनीय है कि श्योपुर में बायपास स्थित टीनशैड परिसर में 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना अंतर्गत सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए नगरपालिका श्योपुर एवं जनपद पंचायत श्योपुर में पंजीयन करा सकते है।

आवास योजना की किस्त समय पर प्रदान की जायें

सीईओ जिला पंचायत श्री गुर्जर द्वारा जनसुनवाई के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यो में हितग्राहियों को समय-समय पर किस्त प्रदान किये जाने के निर्देश दिये गये। श्री छोटूराम बैरवा पुत्र श्री प्रभुलाल बैरवा निवासी उतनवाड, श्री गिर्राज बैरवा पुत्र श्री बाबूलाल बैरवा निवासी अलापुरा, श्रीमती सपना आदिवासी पत्नि श्री सुदामा निवासी कोटरा द्वारा प्रस्तुत आवेदनो पर निर्देश दिये कि संबंधित जनपद सीईओ द्वारा हितग्राहियों को समय-समय पर किस्त की राशि पंचायत सचिवों के माध्यम से जारी कराई जायें। आवेदको द्वारा बताया गया कि किस्त नही मिलने से आवास का कार्य अधूरा पडा हुआ है। इसी प्रकार श्री रामबाबू आदिवासी निवासी पकोडिया का सहराना टर्राकला को पीएम जनजन योजना के तहत एवं श्री राधेश्याम बैरवा निवासी अलापुरा, श्रीमती पूजा मीणा, श्रीमती शीला बाई, श्री मलखान मीणा, श्री रामचरण मीणा, श्री बलराम निवासी गोडाखेडा को प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत पात्रता परीक्षण करते हुए लाभ दिये जाने के निर्देश दिये गये।

कैमकाहार में पेयजल समस्या के निराकरण के निर्देश

सीईओ जिला पंचायत श्री गुर्जर द्वारा ग्राम पंचायत बलावली के ग्राम कैमकाहार की आदिवासी बस्ती में पेयजल समस्या के संबंध में निराकरण के निर्देश ईई पीएचई श्री शुभम अग्रवाल को दिये गये। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की 20 घरो की बस्ती में नवीन हैंडपम्प लगाकर पेयजल व्यवस्था का स्थाई समाधान किया जायें। इस पर निर्देश दिये गये कि मौके का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जायें। जनसुनवाई के दौरान एसडीएम श्री बीएस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर श्री वायएस तोमर सहित विभिन्न विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजन एवं डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. ओ. पी. शर्मा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय के भी पहले पुरोधा थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रवि अंबे, प्राध्यापक (बाल एवं शिशु रोग विभाग), गजराज मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर एवं कार्य परिषद सदस्य, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर रहे। उन्होंने प्रमाणिक तथ्यों के माध्यम से बाबा साहब के जीवन के अनछुए पहलुओं को साझा करते हुए बताया कि राष्ट उनके लिए सर्वोपरि था। विशिष्ट अतिथि श्री सचिन शर्मा ने डॉ. अंबेडकर की बहुमुखी प्रतिभा का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएचडी सहित कुल 32 विषयों में डिग्रियाँ प्राप्त कीं तथा 9 भाषाओं में प्रवीणता हासिल की। जन भागीदारी समिति अध्यक्ष श्री मनोज सर्राफ ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वहीं डेयरी एवं पशु विभाग के सहायक संचालक डॉ. सुभाष दोहरे ने बताया कि डॉ. अंबेडकर का जीवन विषमताओं से संघर्ष का प्रतीक था, जिसमें उन्होंने कलम को हथियार बनाकर सामाजिक परिवर्तन लाया। कार्यक्रम में समरसता को बढ़ावा देते हुए महाविद्यालय के सफाई कर्मियों श्री गणेश धूलिया, श्री महेंद्र पवार एवं श्री गणेश सिंगोर को माल्यार्पण कर शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा चौकसे ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. लोकेन्द्र सिंह जाट ने किया।

मानपुर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित, जांच में 13 गर्भवती महिलाएं हाईरिस्क के रूप में चिन्हित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये जा रहे है, इसी क्रम में आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर, शहरी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक पर आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में स्त्री रोग डॉ ज्योति त्यागी, संजीवनी क्लिनिक डॉ संदीप जाटव, डॉ केएल पचोरिया द्वारा कुल 265 महिलाओं का पंजीयन किया गया, जिसमें 65 गर्भवती महिलाओं की जांच कर 13 हाईरिस्क में चिन्हित की गई, जिनका उपचार किया गया। इसके साथ ही दो रोगी टीबी, 68 एनसीडी यानि असंचरी रोग के पाए गए, जिनकी स्क्रीनिंग कर दवाएं दी गई। 48 हितग्राहियों की आभा आईडी बनाकर स्वास्थ्य लाभ दिया गया, अन्य बिमारियों के 111 रोगियों का उपचार किया गया। शिविर में डॉ ज्योति त्यागी द्वारा मरीज़ों को लू से बचने के उपाय एवं स्वस्थ देखभाल हेतु परामर्श दिया गया। शिविर में सीएचओ, स्टॉफ नर्स,आशा कार्यकर्ता, सेक्टर पर्यवेक्षक आदि उपस्थित रहें।

ढोढर में 16 को, प्रेमसर में 17 को लगेगा शिविर

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर मानपुर, ढोढर, प्रेमसर एवं मकडावदा में आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाये जा रहे है, इसी क्रम में ढोढर में 16 अप्रैल को, प्रेमसर में 17 अप्रैल को तथा मकडावदा में 19 अप्रैल को आयोजित होगे। मानपुर एवं ढोढर में आयोजित शिविर में डॉ ज्योति त्यागी तथा प्रेमसर एवं मकडावदा में आयोजित शिविर में डॉ नीतू सिकरवार द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जायेगी।

इसके साथ ही संबंधित पीएचसी से नर्सिग आफिसर, सीएचओ एवं पैरामेडिकल स्टॉफ उपस्थित रहेगा। इन शिविरों के लिए डीएचओ डॉ जेएन सक्सैना को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

कलमी, गोरस आदि ग्रामों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्थाएं

श्योपुर ब्यूरो। आदिवासी अंचल कराहल के कलमी, गोरस, चितारा, झरेर, डाबली, पातालगढ, बुढेरा, कोटागढ, खुटका एवं खाडी ग्रामों में ग्रामीणों के लिए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री शुभम अग्रवाल ने बताया कि ग्राम कलमी में 50 किलोलीटर क्षमता की उच्च स्तरीय टंकी से आदिवासी बस्ती के सभी परिवारों को नलो के माध्यम से पेयजल प्राप्त हो रहा है। गुर्जर एवं मारवाडी बस्ती में सिंगल फेस मोटरपम्प आधारित 6 नलकूप संचालित है, जिनसे पानी की उपलब्धता हो रही है। मवेशियों के पीने के पानी के लिए ग्राम में तीन पशुहोद भी स्थापित है। इसी प्रकार ग्राम गोरस में नलजल योजना चालू है, जिसका ग्राम पंचायत द्वारा नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है, यहां भी मवेशियों के पानी की व्यवस्था हेतु तीन पशुहोद स्थापित है। ग्राम चितारा में नलजल योजना सुचारू है तथा पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इस गांव में मवेशियों के लिए एक पशुहोद स्थापित है। ग्राम झरेर में नलजल योजना का कार्य प्रगति पर है, यहां मारवाडी बस्ती में 40 परिवार निवासरत है, जिनके पेयजल व्यवस्था के लिए दो सिंगल फेस मोटर चालू है। इसके अलावा मवेशियों के लिए एक पशुहोद स्थापित है। ग्राम डाबली में भी नलजल योजना का कार्य चल रहा है, 65 परिवारों की मारवाडी बस्ती में सिंगल फेस मोटर आधारित तीन नलकूपो से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, यहां मवेशियों के लिए दो पशुहोद बनाये गये है। ग्राम पातालगढ में भी 40 घरो की बस्ती पर दो सिंगल फेस मोटर चालू है। इस गांव में एक पशुहोद स्थापित है। ग्राम बुढेरा एवं कोटागढ में भी नलजल योजना का कार्य चल रहा है तथा वर्तमान में सिंगल फेस मोटरो से प्रत्येक बस्ती में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम खूटका में 25 घरो की मारवाडी बस्ती में हैंडपम्प के माध्यम से पानी उपलब्ध हो रहा है, पास में ही नदी से मवेशियों को पानी की उपलब्धता है। ग्राम खाडी में 20 परिवार निवासरत है, जिनकी पेयजल सुविधा के लिए हैंडपम्प स्थापित है।

खलारी में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित, जल संरक्षण की ली शपथ

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जारी जनजागरूकता गतिविधियों की श्रृंखला में विकासखण्ड विजयपुर के ग्राम खलारी में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व विजयपुर विकासखण्ड की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन ने किया। नवांकुर संस्था माता पार्वती उत्थान समिति के सदस्यों द्वारा गांव में हैंडपंप क्षेत्र की सफाई की गई और ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को जल बचाने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में समिति सदस्य, मेंटर्स श्री दौजीराम जाटव सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

अक्षय तृतीया पर सभी निकायो में होगे विवाह सम्मेलन

लाभ लेने के लिए नगरीय निकाय अथवा जनपद पंचायतो में कराये पंजीयन

श्योपुर ब्यूरो। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 अंतर्गत श्योपुर जिले में सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किये जायेगे। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सुश्री शशिकिरण इक्का ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत अक्षय तृतीया के अवसर पर 30 अप्रैल 2025 को समस्त निकायों अर्थात सभी जनपद पंचायतो एवं नगरपालिकाओं द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

इसके अलावा 12 मई 2025 को वैसाख पूर्णिमा-पीपल पूर्णिमा के अवसर पर भी जनपद पंचायत श्योपुर, कराहल, विजयपुर तथा नगरपालिका श्योपुर सहित नगरपरिषद बडौदा एवं विजयपुर द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किये जायेगे। इसी क्रम में गंगा दशहरा के अवसर पर 5 जून 2025 को जनपद पंचायत श्योपुर, कराहल, विजयपुर तथा नगरपालिका श्योपुर सहित नगरपरिषद बडौदा एवं विजयपुर द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किये जायेगे। इसी प्रकार 21 नवंबर को जनपद पंचायत श्योपुर, नगरपालिका श्योपुर एवं नगरपरिषद बडौदा, 22 नवंबर को जनपद पंचायत कराहल द्वारा तथा 23 नवंबर को जनपद पंचायत विजयपुर एवं नगर परिषद विजयपुर द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किये जायेगे। लाभ लेने के लिए संबंधित हितग्राही परिवार अपनी-अपनी सुविधानुसार विवाह तिथियों का चयन कर नगरीय निकाय अथवा जनपद पंचायतो में विवाह के लिए पंजीयन करा सकते है।

राजनंदिनी का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न, पोषण पखवाडा अंतर्गत आंगनबाडियों पर कार्यक्रम जारी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के आंगनबाडी केन्द्रों पर पोषण पखवाडा अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्योपुर विकासखण्ड ग्राम दलारना बगीची स्थित मिनी आंगनवाड़ी केंद्र पर 6 माह की बालिका राजनंदिनी का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर महिला बाल विकास अधिकारी श्री ओपी पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर आंगनबाडी में दर्ज बच्चों की लम्बाई एवं वजन का माप भी किया गया तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को खानपान के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सुपोषण थाली का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही महिलाओं को समय पर टीककरण तथा संतुलित आहार, साफ-सफाई और नियमित स्वास्थ्य जांच की महत्ता से अवगत कराया गया। डीपीओ श्री ओपी पाण्डेय ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए।

पाली रोड सब स्टेशन से दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक बंद रहेगी बिजली

श्योपुर ब्यूरो। पाली रोड सब स्टेशन पर सलापुरा सब स्टेशन की लाईन का विस्तार कार्य किये जाने के कारण 16 अप्रैल बुधवार को सब स्टेशन क्षेत्र में विधुत प्रदाय अवरूद्ध रहेगा। 33 केव्ही पाली रोड सब स्टेशन से बिजली की आपूर्ति दोपहर 1 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी। जिसके चलते बडौदा रोड, पटेल चौक, पुल दरवाजा, मछली मार्केट, भोई मोहल्ला, रेगर मोहल्ला, महाराणा प्रताप नगर, चंबल कॉलोनी, गुलमोहर कॉलोनी, नर्सरी के सामने, पप्पू होटल के आसपास, कॉलेज के सामने, जाट छात्रावास, जागा मोहल्ला, मोहनजी की बगीची, चिंताहरण हनुमान मंदिर, वार्ड नंबर 10, गांधी नगर, खरंजा रोड, बजाज नगर, बायपास रोड, मधुवन कॉलोनी, जयश्री पैलेस कॉलोनी, पीली कोठी, हैवी मशीनरी टीनशैड, मार्गा कॉलोनी, गुलमोहर कॉलोनी, प्राची नगर, कल्याणपुरम कॉलोनी, वार्ड नंबर 14, 15, फक्कड चौराहा, कमालखेडली सहित आसपास के क्षेत्रो में बिजली की आपूर्ति बंद रहेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जारी जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में आज मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री धर्मेन्द्र सिसोदिया, जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम के नेतृत्व में सीप नदी घाट निमोदामठ पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्रमदान किया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद सम्भाग समन्वयक श्री धर्मेन्द्र सिसोदिया ने कहा कि समाज की सहभागिता के लिए जल संरक्षण जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जाये। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि श्रमदान की अवधारणा जनसहभागिता से जल संरक्षण और संवर्धन पर केन्द्रित है। इस अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ-साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस-पास पौधरोपण के कार्य प्राथमिकता पर किये जायेगें। इस दौरान जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर नवांकुर संस्था से श्री कल्याण मारू, ग्राम पंचायत सचिव बंधाली श्री हरिश्चंद्र सोलंकी, सरपंच श्री कैलाश आदिवासी, श्री पूरन आदिवासी, श्री रामसिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कलावती आदिवासी, श्री लखन आदिवासी, श्री राधेश्याम मारू, श्री महेंद्र मारू एवं ग्राम निमोदामठ के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय पर कलेक्टर ने की जनसुनवाई

जनसुनवाई में प्राप्त 36 आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्ट्रेट में आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी योजना जनसुनवाई में कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान 36 से अधिक आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्री सुनील दुबे, अपर कलेक्टर श्री एल.के. पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी, शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं में बैंक ऋष्टा, बीपीएल राशन कार्ड, जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

गैर संक्रमित रोगों की पहचान, रोकथाम, नियंत्रण एवं प्रबंधन सेवाऐं थीम पर स्वास्थ्य शिविरों का हुआ आयोजन

आमजन अधिक से अधिक आयुष संस्थाओं पर पहुँचकर आयुष, चिकित्सा पद्धधि का लाभ उठाएं

भिण्ड ब्यूरो। म.प्र. शासन आयुष विभाग द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) संस्थाओं पर प्रतिमाह विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला आयुष अधिकारी डॉ. नीलम कुशवाह के नेतृत्व में जिले की समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) संस्थाओं पर गैर संक्रमित रोगों की पहचान, रोकथाम, नियंत्रण एवं प्रबंधन सेवाऐं थीम पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन आज किया गया। जिला आयुष अधिकारी, डॉ. नीलम कुशवाह के अनुसार वर्तमान परिदृश्य में गैर संचारी रोग जैसे उच्चरक्तचाप, मधुमेह, संधिवात एवं रक्ताल्पता आदि बड़े पैमाने पर ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रहे हैं, इन बीमारियों का प्रबंधन आयुष चिकित्सा पद्धति द्वारा बहुत ही कारगर तरीके से किया जा सकता है, इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) संस्थाओं पर विशेष शिविरों का आयोजन किया गया है। आयुष संस्थाओं पर शासन द्वारा पदस्थ किये गये सामुदायिक आयुष चिकित्साधिकारी गैर संचारी रोगों के प्रबंधन में कुशल हैं अतः आमजन अधिक से अधिक आयुष संस्थाओं पर पहुँचकर आयुष चिकित्सा पद्धधि का लाभ उठायें।

2 आरोपियों पर ईनाम घोषित

श्योपुर ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन द्वारा मप्र पुलिस रेगुलेशन के पैरा क्रमांक 80-बी(1) में प्रदत्त शक्तियो का उपयोग करते हुए 2 आरोपियों पर 2-2 हजार का रूपये का ईनाम घोषित किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार फरार आरोपी रोहित पुत्र विक्रम मराठा एवं सोनू पुत्र चिन्टू मराठा निवासीगण कत्था फैक्ट्री के पास गोपालपुरा शारंगपुर जिला राजगढ पर 2-2 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया है। उक्त आरोपियों पर थाना बडौदा में धारा 137(2) बीएनएस एवं इजाफा धारा 70(2),61(2), बीएनएस एवं 5(जी)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 67/25 पंजीबद्ध है।

समग्र आईडी की ई-केवायसी अवश्य करायें

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शासन की समस्त जन कल्याणकारी पेंशनधारी का लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीकृत हितग्राहियों की समग्र पोर्टल पर आधार ईकेवाईसी करना अनिवार्य होगा। नगर निगम सीमांतर्गत सभी नागरिक अपनी समग्र आईडी को आधार से ई-केवायसी अवश्य करायें। अपर आयुक्त श्री मुनीश सिंह सिकरवार ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जन कल्याणकारी योजनाओं में आधार आधारित भुगतान के लिए शासन द्वारा निर्देशित किया गया है। जिसमें विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जिन्हें 600 रूपये प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्ध, कल्याणी, निशक्त, परित्यक्ता को प्रतिमाह प्राप्त होती है, यदि आपके द्वारा ई केवायसी नहीं किया गया है। तो शीघ्र ही नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्र, एमपी ऑनलाइन एवं नगर निगम ग्वालियर के कार्यालय में पहुंचकर करा सकते हैं। जिससे कि प्रतिमाह प्राप्त पेंशन का नियमित रूप से भुगतान जारी रहे। समग्र पोर्टल में नागरिकों के समग्र आई.डी. को आधार के साथ शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण करायें। उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त क्षेत्राधिकारी इस हेतु संबंधित राजस्व कर संग्रहक, समग्र ऑपरेटर, संयुक्त प्रयास करें। क्षेत्राधिकारी दल का निर्माण कर लोगो को समस्त योजनाओं के लाभ में इसकी प्राथमिकता का प्रचार-प्रसार करे। राजस्व टी.सी. एवं समग्र ऑपरेटर पोर्टल पर दर्ज समस्त प्रकार के अनुरोध, जिसमें परिवार विभाजन, नाम जोडने, परिवार आई.डी., समग्र ई-केवायसी, पता परिवर्तन एवं समग्र आई.डी. स्थानान्तरण को तत्काल स्वीकार एवं निराकृत करे।

ग्वालियर की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने को लेकर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक

जिले के प्रभारी मंत्री श्री सिलावट एवं मंत्रिगण श्री कुशवाह व श्री तोमर की मौजूदगी में हुई बैठक

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा उन्नत स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

ग्वालियर/भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने ग्वालियर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने को लेकर भोपाल स्थित मंत्रालय में उच्च स्तरीय बैठक ली और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी व खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की मौजूदगी में यह बैठक हुई। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट एवं मंत्री द्वय श्री कुशवाह श्री तोमर ने जेएएच सहित जिले के अन्य अस्पतालों की आवश्यकताओं के संबंध में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का ध्यान आकर्षित किया। साथ ही कार्यों के प्रस्ताव भी रखे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जयारोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने जेएएच समूह सहित ग्वालियर के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में अधोसंरचना विकास, मानव संसाधन (चिकित्सकीय स्टाफ) व उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और सभी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं जयारोग्य चिकित्सा समूह की आवश्यकताओं जैसे-नवीन पीजी छात्रावास, नवीन सभागार, अकादमी भवन, टीबी अस्पताल, आवास आदि के संबंध में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के समक्ष प्रस्ताव रखे। साथ ही रिक्त प्रोफेसर के पदों की पूर्ति के लिये प्रस्ताव रखा। उन्होंने जिले के भवन विहीन उप स्वास्थ्य केन्द्रों के नवीन भवन निर्माण, कार्यालय भवन, अल्ट्रासाउण्ड मशीन, डॉक्टर्स एवं अन्य स्टाफ की पूर्ति के संबंध में चर्चा कर प्रस्ताव रखे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभागीय अधिकारियों को ग्वालियर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये जल्द से जल्द आवश्यक स्वीकृतियां जारी करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि प्रदेश सरकार सम्पूर्ण प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टॉफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, तथा संचालक श्री नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में कक्षा एक के लिए उन्मुखीकरण का आयोजन किया

ग्वालियर। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 1 का उन्मुखीकरण कार्यक्रम 15-04-2025 को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 ग्वालियर में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य कक्षा 1 के नए छात्रों और उनके अभिभावकों का स्कूल कॉन्फ्रेंस हॉल में गर्मजोशी से स्वागत करना था। यह कार्यक्रम स्कूल कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया और इसमें प्रिंसिपल (श्री राजेश पांडे), हेड मिस्ट्रेस (डॉ. भारती यादव), फैकल्टी मेंबर्स, कक्षा 1 के शिक्षक, अभिभावक और छात्र शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत अभिनंदन से हुई, उसके बाद पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह हुआ, उसके बाद स्वागत गीत और प्रधानाचार्य द्वारा संबोधन हुआ, जिसमें उन्होंने नन्हे-मुन्नों को स्कूल के विजन, मूल्यों और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद केंद्रीय विद्यालय पर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया।प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक तरीके से कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रधानाध्यापिका डॉ. भारती यादव ने कक्षा 1 के अध्यापकों का परिचय कराया तथा पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों और कक्षा की दिनचर्या का संक्षिप्त विवरण दिया। इसके अलावा उन्होंने विद्यालय के बुनियादी ढांचे और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। अभिभावकों को मूल्यांकन विधियों, संचार चैनलों और विद्यार्थियों से अपेक्षाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। बच्चों को उनके नए परिवेश से परिचित कराने के लिए इंटरैक्टिव गतिविधियों का आयोजन किया गया।

सभी विद्यार्थियों को स्वागत और उपहार का एक छोटा सा प्रतीक दिया गया। कार्यक्रम के अंत में कक्षा 1 के अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए नियुक्त सभी टीम सदस्यों की सराहना की गई।

'जल गंगा संवर्धन अभियान'

पृथ्वी तालब को पर्यटन के रूप में विकसित किया जायेगा : सांसद श्री कुशवाह

जल संरचनाओं के संरक्षण और वृक्षारोपण के कार्य में आमजन भी भागीदार बनें : महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, 2 करोड़ 66 लाख रूपए की लागत से पृथ्वी तालाब का होगा सौंदर्यीकरण, सांसद एवं महापौर ने किया पृथ्वी तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन

ग्वालियर। शहर के पृथ्वी तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य 2 करोड़ 66 लाख रूपए की लागत से किया जायेगा। पृथ्वी तालाब को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने का कार्य नगर निगम द्वारा किया जायेगा। तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह एवं महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने भूमिपूजन कर किया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्री प्रेम सिंह राजूपत, वार्ड-61 के पार्षद एवं एमआईसी मेम्बर श्री नाथूराम ठेकेदार, वार्ड-62 की पार्षद श्रीमती गौरा अशोक सिंह, मण्डल अध्यक्ष श्री सुधाकर पाठक, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार सहित ग्रामीणजन एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया जा रहा है। सम्पूर्ण प्रदेश की भाँति ग्वालियर जिले में भी जल संरचनाओं के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के वार्ड-61 में स्थित पृथ्वी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य हाथ में लिया गया है। उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं को संरक्षित करना हम सबकी जवाबदारी है। वायु परिवर्तन आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का हम सबको मिलकर ही सामना करना है। जल संरचनाओं का संरक्षण करने के साथ-साथ वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के कार्य को भी हाथ में लेना होगा। सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि केन्द्र सरकार के ग्रीन कार्ड कार्यक्रम के तहत भी जिलेभर में कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जायेंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिये समाज के सभी वर्गों का सहयोग लेकर अपने जिले को हरा-भरा बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी तालाब के लिये अमृत योजना के तहत 3 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हुई है। जिसके माध्यम से तालाब के सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण के माध्यम से तालाब को पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि नगर निगम के माध्यम से पृथ्वी तालाब के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के लिये कार्य हाथ में लिया गया है। शासन-प्रशासन के प्रयासों के साथ-साथ आम जनों को भी जल संरचनाओं के संरक्षण और वृक्षारोपण के कार्य में बढ़-चढ़कर भागीदारी करना आवश्यक है। वृक्षारोपण करने के साथ-साथ लगाए गए पेड़ों को सुरक्षित रखने की जवाबदारी भी हम सबको ही लेनी होगी। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि नगर निगम के ग्रामीण क्षेत्र के वार्डों में वृहद वृक्षारोपण के लिये अनेक स्थान उपलब्ध हैं। इन स्थानों पर सभी के प्रयासों से नीम, बरगद, आम, जामुन आदि के वृहद वृक्षारोपण कार्य को करना होगा, तभी हम अपने शहर के पर्यावरण को और अच्छा बना सकते हैं। पृथ्वी तालाब के जीर्णोद्धार से आसपास के नागरिकों को एक बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।

सांसद एवं महापौर ने श्रमदान कर तालाब जीर्णोद्धार कार्य का किया शुभारंभ

पृथ्वी ताल के जीर्णोद्धार कार्य के भूमिपूजन के उपरांत सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह एवं महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार के साथ ही जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ गणमान्य नागरिकों ने भी तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में योगदान दिया। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे तालाब के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार कार्य में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें।

शहर के बीचों बीच स्थित बेशकीमती सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

मशीनों की मदद से ध्वस्त किए गए बेजा कब्जे, सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए विशेष मुहिम जारी

ग्वालियर। सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिये जिले में चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत जिला प्रशासन की टीम ने शहर के बीचों बीच स्थित बेशकीमती माफी औकाफ की लगभग 10 हजार वर्गफुट जमीन से मशीनों की मदद से बेजा कब्जे हटवाए। मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव के नेतृत्व में गई संयुक्त टीम ने कोटा लश्कर क्षेत्र में यह कार्रवाई की है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन की कीमत लगभग 2 करोड़ रूपए आंकी गई है। एसडीएम श्री नरेन्द्र बाबू यादव ने बताया कि ग्राम कोटा लश्कर स्थित सर्वे क्र.-199 माफी औकाफ की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा पक्के निर्माण कर बेजा कब्जे कर लिए थे। इन बेजा कब्जों को मंगलवार को हटवाया गया। उन्होंने बताया कि इस

सर्वे क्र. में लगभग 4 हजार वर्गफुट में पपलू खान द्वारा संचालित किया जा रहा स्टील अलमारी कारखाना, सायरा खान द्वारा लगभग 1800 वर्गफुट क्षेत्र में बनाया गया अवैध मकान, विमला कुशवाह द्वारा 3500 वर्गफुट मंब बनाई गई बाउण्ड्रीवॉल एवं लगभग एक हजार वर्गफुट में बना एक अवैध मकान मशीनों की मदद से ध्वस्त कराए गए। इस प्रकार कुल 10 हजार वर्गफुट सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई है। अतिक्रमण हटाने के लिये गई टीम में तहसीलदार लश्कर श्री विनीत गोयल व श्री शिवदत्त कटारे, जनकगंज थाना प्रभारी व पुलिस बल तथा नगर निगम का मदाखलत दस्ता शामिल था।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 122 लोगों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में 122 लोगों की समस्यायें सुनी गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, एडीएम श्री टी एन सिंह तथा संयुक्त कलेक्टर श्री सुरेश कुमार बरहादिया व श्री संजीव जैन सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 122 आवेदनों में से 50 दर्ज किए गए। शेष 72 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम को दिए गए।जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निऱ्शुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया।

जिले में समर्थन मूल्य पर 736 किसानों से हुई 90,895 क्विंटल गेहूँ की खरीदी

किसानों को किया गया लगभग 2 करोड़ 46 लाख रूपए का भुगतान

गेहूँ उपार्जन के लिए ग्वालियर जिले में संचालित हैं 41 उपार्जन केन्द्र

ग्वालियर। जिले में समर्थन मूल्य पर किसान भाइयों से गेहूँ का उपार्जन जारी है। अब तक 736 किसानों से 90 हजार 895 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। समर्थन मूल्य पर अपना गेहूँ बेचकर गए किसानों को अब तक 2 करोड़ 45 लाख 94 हजार रूपए से अधिक का भुगतान किया गया है। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिये कुल 41 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूँ बेचने के लिये जिले के कुल 13 हजार 574 किसानों ने 40 उपार्जन केन्द्रों पर अपना पंजीयन कराया है। किसानों द्वारा अभी तक 40 संस्थाओं पर 2 हजार 455 स्लॉट बुक कराए जा चुके हैं। किसान भाई अपनी सुविधानुसार मोबाइल फोन से स्लॉट बुक कराकर अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेच सकते हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को उपार्जन केन्द्र पर अपनी उपज बेचने में कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए। सभी केन्द्रों पर शीतल पेयजल व छाया सहित अन्य बुनियादी सुविधायें भी पुख्ता रहें। उन्होंने उपार्जन व्यवस्था से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की जाए। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा 2600 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की जा रही है। जिसमें 175 रूपए प्रति क्विंटल बोनस शामिल है।

निःशुल्क कोचिंग क्लासेस में छात्र-छात्राओं को किया गया निःशुल्क पुस्तक वितरण

सिविल सर्विसेज परीक्षाओं की तैयारी के लिये निःशुल्क कोचिंग से जुड़ने का अवसर, पंजीयन जारी

ग्वालियर। जरूरतमंद विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेज अर्थात यूपीएससी एवं एमपी-पीएससी की तैयारी कराने के लिये संचालित निःशुल्क कोचिंग क्लासेस के छात्र छात्राओं को निऱ्शुल्क किताबें और नोट्स उपलब्ध कराए गए हैं। नायब तहसीलदार श्री दीपक धाकड़ द्वारा उपलब्ध कराई गईं इन पुस्तकों का वितरण श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य बी पी एस जादौन द्वारा किया गया। ग्वालियर में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर जिला प्रशासन एवं आदर्श परिवार व आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के सहयोग से श्रीमंत माधवराव सिंधिया विज्ञान महाविद्यालय परिसर में यह निऱ्शुल्क कोचिंग संचालित हो रही है। कोचिंग

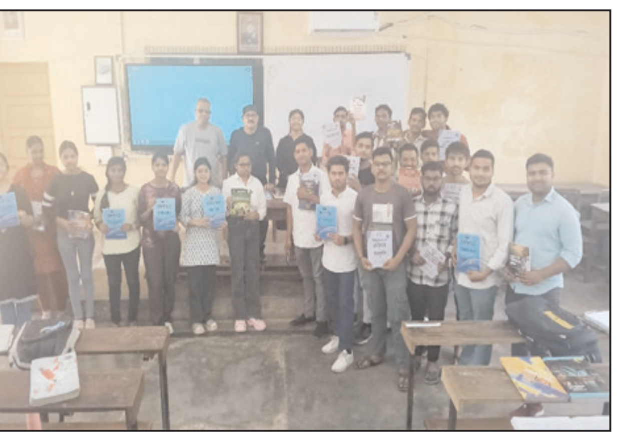

की निगरानी जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी श्री विवेक कुमार द्वारा की जा रही है। कोचिंग में नियमित साप्ताहिक टेस्ट सीरीज भी संचालित हो रही है। निःशुल्क कोचिंग क्लासेस के सहायक संचालक श्री राजू सिंह कुशवाह ने बताया कि सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए इच्छुक छात्र छात्राएं कोचिंग समम पर उपस्थित होकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। कोचिंग से जुड़ने के लिए मोबाइल नं. 7089447620 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

थाना विष्वविद्यालय पुलिस ने हरिषंकरपुरम से एक वाहन चोर को पकड़कर उससे चोरी की सुजुकी एक्सेस स्कूटी की जप्त

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर वाहन चोरों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के तारतम्य में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध/यातायात) श्री कृष्ण लालचंदानी,भापुसे द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चोरी गये वाहनों की बरामदगी कर चोरों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी विष्वविद्यालय सुश्री हिना खान के कुषल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विष्वविद्यालय उनि0 प्रदीप पार्या के द्वारा थाना बल की टीम को अपराध क्रमांक 127/25 धारा 303(2) बीएनएस में चोरी गई सुजुकी एक्सेस स्कूटी तथा अज्ञात आरोपी की पतारसी करने के हेतु लगाया गया। दौराने विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये जाकर संदिग्ध व्यक्ति को चिन्हित किया गया। दिनांक 13.04.2025 को पुलिस टीम को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि दिनांक 12.04.2025 को ठाठीपुर गांव, सिटी सेंटर ग्वालियर से चोरी गई स्कूटी हरिशंकरपुरम में एक व्यक्ति के पास देखी गई है। उक्त सूचना पर से पुलिस टीम ने मुखबिर के बताये स्थान पर जाकर देखा तो हरिशंकरपुरम की गली में एक व्यक्ति सफेद रंग की स्कूटी क्रमांक एमपी-07-एसजी-8878 सफेद कलर की चलाते दिखा, जिसने पुलिस टीम को देखकर स्कूटी लेकर भागने का प्रयास किया, परन्तु पुलिस टीम द्वारा उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने स्वयं को एमरोन ग्रीन वार्ड नं. 62 बडागांव हाईवे ग्वालियर हाल निवासी खुरैरी थाना मुरार जिला ग्वालियर का रहने वाला बताया। पकड़े गये व्यक्ति से उक्त सुजुकी एक्सेस स्कूटी के संबंध में गहनता से पूछताछ की गई तो उसके द्वारा उक्त स्कूटी थाटीपुर गांव, सिटी सेंटर स्थित एक घर से चोरी करना स्वीकार किया। जिस पर से पुलिस टीम ने उक्त चोरी की सुजुकी एक्सेस स्कूटी को विधिवत जप्त कर आरोपी को थाना विष्वविद्यालय के अपराध क्रमांक 127/25 धारा 303(2) बीएनएस के प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरणः- दिनांक 13.04.2025 को फरियादी अभिषेक सिंह यादव निवासी आकाशवाणी के सामने थाठीपुर गांव सिटीसेन्टर ग्वालियर ने थाने में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 12.04.2025 को सुबह मेरा भाई किराने की दुकान पर सामान लेने के लिये घर के पोर्च में खड़ी स्कूटी सुजुकी एक्सेस क्रमांक एमपी-07-एसजी-8878 को लेने गया तो पोर्च में मेरी सुजुकी एक्सेस स्कूटी नही थी। अपने घर में लगे सीसीटीव्ही कैमरे चेक किये तो उसमें एक अज्ञात व्यक्ति मेरी सुजुकी एक्सेस स्कूटी को चोरी कर ले जाते हुये दिखा। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना विष्वविद्यायल में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 127/25 धारा 303(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बरामद मशरूकाः- चोरी गई सुजुकी एक्सेस स्कूटी क्रमांक एमपी-07-एसजी-8878 की जप्त।

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी विष्वविद्यालय उनि0 प्रदीप पार्या, प्र.आर. हरवीर सिंह यादव, प्रआर0 पुष्पेन्द भदौरिया, आर0 सुभाष गर्ग, म.आर0 ज्योति लखेरा की सराहनीय भूमिका रही।

छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर आम नागरिकों को न होना पडे परेशान : निगमायुक्त श्री संघप्रिय

ग्वालियर। निगमायुक्त श्री संघप्रिय ने आज मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए आमजनों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कराया तथा संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से समस्याओं का निराकरण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्षेत्रीय कार्यालयवार होने वाली जनसुनवाई की समीक्षा करते हुए सभी क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में प्रचार प्रसार कर आमजनों की समस्याओं का वहीं निराकरण कराएं, नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए मुख्यालय तक नहीं आना पडे। जनसुनवई के दौरान अपर आयुक्त श्री विजयराज, श्री मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला सहित सभी विभागाधिकारी उपस्थित रहे। निगम मुख्यालय पर जनसुनवाई के दौरान निगमायुक्त श्री संघप्रिय को वार्ड 63 स्थित ग्राम जुगरुपुरा के निवासियों द्वारा रोड पर ग्राम के दबंगो द्वारा भैंस बांधकर गंदगी फैलाने एवं अतिक्रमण करने को लेकर शिकायत की गई जिसपर निगमायुक्त श्री संघप्रिय द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। वहीं वार्ड 56 स्थित बजरंग नगर नाका चंदवदनी के निवासियों द्वारा सडक एवं गली की मरम्मत कराने व सफाई कराने का आग्रह किया गया जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वार्ड 51 स्थित आपागंज में कब्रिस्तान रोड की सडक की पेंच रिपेयिरिंग कराने को लेकर आग्रह किया जिस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वार्ड 21 स्थित गोला का मंदिर क्षेत्र में गली निर्माण में बाधक अतिक्रमण हटाने को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा आग्रह किया गया। जिस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही वार्ड 18 में दीनदयाल नगर क्षेत्र सीवर लाइन की सफाई कराने को लेकर निवासियों द्वारा अग्रह किया गया जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही नामांकन, सडक, पेयजल, अतिक्रमण, सीवर, सफाई सहित अन्य बिन्दुओं को लेकर नागरिकों द्वारा लगभग 45 आवेदन जनसुनवाई में लगाए गए जिनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

साफ सफाई एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर गंभीरता से करें कार्य : निगमायुक्त श्री संघप्रिय

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय ने विभागीय समय सीमा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय सीमा के प्रकरणों को गंभीरता से लेकर समय सीमा में निराकरण करें। इसके साथ ही निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण करें तथा शासन की प्राथमिकता के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर आयुक्त श्री विजयराज, श्री मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त डॉ प्रदीप श्रीवास्तव, श्री ए पी एस भदौरिया, अधीक्षण यंत्री श्री जेपी पारा, सिटी प्लानर श्री पवन सिंहल सहित सभी विभागाधिकारी उपस्थित रहे। समय सीमा बैठक में निगमायुक्त श्री संघप्रिय ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण लेवल 1 पर ही संतुष्टीपूर्वक होना चाहिए तथा जिन विभागों एवं अधिकारियों की शिकायतें लंबित हैं वह तत्काल इनका निराकरण कराना सुनिश्चित करें अन्य कम ग्रेडिंग होने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। वहीं नामांकन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि नामांकन प्रकरण निराकरण में पारदर्शिता बनाएं एवं समीक्षा के लिए जनमित्र केन्द्रों से नामांकन प्रकरणों की रिपोर्ट लें। इसके साथ ही नामांकन प्रकरणों के लिए जनमित्र केन्द्र का साफटवेयर पीपुल्स फ्रेन्डली बनाया जाए। समग्र ई केवायसी की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त श्री संघप्रिय ने ई केवायसी की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को ई केवायसी की गति तेज करने के निर्देश दिए तथा जनमित्र प्रभारियों को भी निर्देश दिए कि ई केवायसी के कार्य गंभीरता से करें। इसके साथ ही सम्पत्ति के वेलीडेशन की समीक्षा करते हुए नारजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र वेलीडेशन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निगमायुक्त श्री संघप्रिय ने गर्मी के सीजन में पेयजल प्रदाय की जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी में कहीं भी समस्या न हो इसके लिए सभी सजग रहें यदि कहीं समस्या हुई तो संबधित पर कार्रवाई होगी। सफाई व्यवस्था को लेकर भी गंभीर होकर निगमायुक्त श्री संघप्रिय ने कहा कि कहीं भी मुख्य सडक पर कचरा न दिखे यह संबधित अधिकारी सुनिश्चित करें और सभी जगह समय पर गाडियां जाएं तथा निगम के संसाधनों का भरपूर उपयोग कर सफाई व्यवस्था सुदृण करें। इसके साथ ही बारिश के मौसम में पौधारोपण के लिए पार्क अधिकारी को निर्देशित किया कि प्लांटेशन के लिए अभी से तैयारी करें और सभी डिवाइडर हरे भरे होना चाहिए। इसके साथ ही अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

संपादकीय

आप हमारे अपने

नक्सलियों से गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आप हमारे अपने हैं। हथियार डाल कर मुख्यधारा में शामिल हों। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होता। दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम महोत्सव में समापन समारोह में शाह ने कहा कि मार्च, 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नक्सलमुक्त घोषित गांवों को एक करोड़ रुपये की विकास निधि देने तथा नक्सलियों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की बात भी उन्होंने की। शाह के बस्तर प्रवास के दरम्यान छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने हैदराबाद में सामूहिक समर्पण किया जिनमें बीस नक्सल महिलाएं भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से 1967 में शुरू किसानों के विद्रोह को नक्सलवाद कहा गया। इसमें शामिल लोगों को नक्सलवादी या नक्सल कहा जाने लगा। इन्हें मुख्यतया वामपंथी आंदोलनों से जोड़ा जाता है जो माओवादी राजनीतिक विचारधारा का पालन करते हैं। सरकार के अनुसार देश में नक्सल प्रभावित जिले सत्रह से घट कर छह रह गए हैं। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा में इनकी जड़ें फैली हुई हैं। बिहार के विभिन्न जिलों को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के बावजूद अभी भी दस जिलों में इनका प्रभाव है। सरकार के प्रति नाराजगी और बुनियादी जरूरियात की मांग को लेकर ये उग्र प्रदर्शन करते रहे हैं। पिछले दिनों नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी ने पर्चा जारी करके सरकार से युद्धविराम की मांग की। नक्सल प्रभावित इलाकों के नौजवान अब बेहतर शिक्षा और रोजगार की तलाश में अपना वक्त लगाना बेहतर मान रहे हैं। जान बचाने के लिए घने जंगलों में भटकने या सुरक्षा बलों का निशाना बनने को वे राजी नहीं हो रहे। गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग लेकर हथियारबंद लड़ाकों को लगातार रिहाइशी इलाकों की तरफ जाने से रोका जा रहा है। दशकों से चले आ रहे इस सशस्त्र वामपंथी आंदोलन को नेस्तनाबूद करने को दृढ़संकल्पित केंद्र सरकार सफल होती दिख रही है। हालांकि ग्रामीण और बीहड़ इलाकों तक विकास, सड़कें, विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही रोजगार के साधनों की ठोस व्यवस्था ही नौजवानों को मतिभ्रम से दूर रख सकती है। मात्र ओजस्वी भाषणों के भरोसे उनके आवेग/गुस्से को रोका जाना मुश्किल है।

कांग्रेस को 10 में से 10 नंबर दिए जा सकते हैं

अजीत द्विवे

अगर कोशिशों के लिए नंबर देना हो तो कांग्रेस को 10 में से 10 नंबर दिए जा सकते हैं। कुछ समय पहले तक वह कोशिश भी नहीं कर रही थी। लेकिन अब पार्टी संगठन को बदलने और उसमें जोश भरने की गंभीर कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेतृत्व के बारे में धारणा बदलने की कोशिश हो रही है। पार्टी को नए समय की चुनौतियों और राजनीतिक मुद्दों के मुताबिक ढालने की कोशिश भी चल रही है। पुरानी विरासत को हासिल करने का प्रयास भी हो रहा है और सबसे ऊपर कांग्रेस का स्वंतत्र अस्तित्व स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। कामयाबी की संभावना अभी नहीं दिख रही है लेकिन व्यक्ति के जीवन की तरह ही राजनीति में भी कई बार बहुत नजदीक की चीजें नहीं दिखाई देती हैं। इसलिए कांग्रेस की कोशिशों का क्या हासिल होगा उसके बारे में समय बताएगा।

यह कहना बहुत आसान है कि कांग्रेस लड़ना या जीतना भूल गई है या कांग्रेस की मारक क्षमता कम हो गई या नरेंद्र मोदी से मुकाबले के लिए उसके पास कोई नेतृत्व नहीं है या कांग्रेस के अखिल भारतीय संगठन का ढांचा चरमराया हुआ है। हकीकत यह है कि इसके बावजूद कांग्रेस लड़ रही है, लगातार पराजय और विपरीत परिस्थितियों के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व मैदान में टिका है और सब कुछ ठीक करने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस व राहुल की असफलताओं पर विचार करने से पहले यह ध्यान रखना चाहिए कि उसका प्रतिद्वंद्वी कितना शक्तिशाली है और और वह क्या क्या कर सकता है!

सो, गुजरात के अहमदाबाद में मंगलवार, आठ अप्रैल से होने जा रहे दो दिन के कांग्रेस अधिवेशन के बहाने कांग्रेस की कोशिशों पर चर्चा करने की जरुरत है। कांग्रेस सबसे पहले तो अपनी विरासत को हासिल करने का प्रयास कर रही है। असल में 2014 में कांग्रेस जितनी बुरी तरह से हारी वह उसके लिए बहुत बड़ा झटका था। हारना कांग्रेस के लिए कोई नई बात नहीं थी लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि पार्टी 44 सीट पर सिमट जाएगी। इतनी बुरी तरह से हारने की वजह से उसको संभलने में इतना समय लगा है। इस अवधि में वह पूरी तरह से सदमे में रही। कोई नया आइडिया तो पार्टी के पास नहीं ही था वह पुरानी विरासत भी भूल गई और भाजपा ने इसका फायदा उठाया। उसने कांग्रेस के महापुरुषों को अपना बना कर कांग्रेस की साख बिगाड़ी।

प्रधानमंत्री के दावेदार के तौर पर चुनाव लड़ रहे नरेंद्र मोदी ने मदन मोहन मालवीय के परिजनों को अपना प्रस्तावक बनाया। उसने पंडित मदन मोहन मालवीय से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, लालबहादुर शास्त्री और यहां तक कि महात्मा गांधी को भी अपना बताना और बनाना शुरू कर दिया। वास्तविकता यह है कि इनमें से लगभग सभी लोग भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन और आरएसएस दोनों के विचारों के घनघोर विरोधी रहे हैं। अब जाकर कांग्रेस संभली है तो उसने अपनी विरासत हासिल करने का प्रयास शुरू किया है।

कांग्रेस अपने दो दिन के अधिवेशन के पहले दिन आठ अप्रैल को अहमदाबाद के शाहीबाग में स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कार्य समिति की बैठक करेगी। दूसरे दिन नौ अप्रैल को साबरमती के किनारे कांग्रेस अधिवेशन का मुख्य कार्यक्रम होगा। कांग्रेस 61 साल के बाद गुजरात में अधिवेशन कर रही है और यह संयोग नहीं है कि इस साल सरदार पटेल की डेढ़ सौवीं जयंती मनाई जा रही है। सरदार की डेढ़ सौवीं जयंती पर कांग्रेस ने गुजरात में अधिवेशन का फैसला किया तो इसका कहीं न कहीं यह अर्थ है कि वह सरदार पटेल की विरासत को वापस हासिल करना चाहती है। कांग्रेस के बाद के नेताओं ने खास कर माधव सिंह सोलंकी ने कांग्रेस को खाम (केएचएएम) यानी क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम की राजनीति में समेटा था। इसका कुछ लाभ तो पार्टी को मिला लेकिन उसके बाद जब हार का सिलसिला शुरू हुआ तो यह समीकरण काम नहीं आया। अब कांग्रेस इस समीकरण से बाहर निकल कर आजादी के बाद के सबको साथ लेकर चलने के समीकरण पर काम कर रही है। विरासत वापस हासिल करने की कोशिश कांग्रेस ने पिछले साल दिसंबर के अंत में बेलगावी अधिवेशन से शुरू की। महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी पूरी होने पर बेलगावी में कांग्रेस ने अधिवेशन किया। गौरतलब है कि महात्मा गांधी 1924 में बेलगावी में ही कांग्रेस अध्यक्ष बने थे और सिर्फ एक साल ही अध्यक्ष रहे थे। उस ऐतिहासिक घटना को कांग्रेस ने बड़े ऐहतराम के साथ याद किया।

गठबंधन की राजनीति का दौर शुरू होने के बाद कांग्रेस स्वतंत्र राजनीति का रास्ता भूलती गई है। जहां वह सत्ता से बाहर हुई वहां उसके नेताओं ने किसी प्रादेशिक पार्टी का कंधा पकड़ लिया और उस पर सवार हो गई। इसमें कांग्रेस नेतृत्व की भी भूमिका रही है लेकिन इसका नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस की जमीन लगातार सिमटती गई। पहले जो एक राज्य की परिघटना थी वह अब कई राज्यों की हो गई है।

चर्चित व्यंग्य संग्रह.. इनविजिबल इडियट

(विवेक रंजन श्रीवास्तव-विनायक फीचर्स)

चर्चित कृति इनविजिबल इडियट , सामयिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को व्यंग्य के तीखे तेवर के साथ प्रस्तुत करती है। लेखक ने समाज में व्याप्त विसंगतियों, राजनीतिक पाखंड, साहित्यिक अवसरवादिता और मानवीय दुर्बलताओं को बेबाकी से उजागर किया है।

विषयवस्तु और व्यंग्य की प्रकृति

किताब में शामिल किए गए व्यंग्य लेखों से झलकता है कि इस कृति में अपनी पुरानी व्यंग्य पुस्तकों के क्रम में ही प्रभा शंकर उपाध्याय जी ने समकालीन सामाजिक और राजनीतिक संदर्भों पर चोट की है। ÷सरकार इतने कदम उठाती है मगर, रखती कहाँ है?÷ और "गुमशुदा सरकार" जैसे लेखों में व्यंग्यकार ने प्रशासनिक और राजनीतिक ढांचे की विसंगतियों को तीखे कटाक्ष के साथ उठाया है। वहीं ÷कोई लौटा दे मेरे बालों वाले दिन÷ और ÷पके पपीते की तरह आदमी का टूटना÷ जैसे शीर्षक मानवीय भावनाओं और जीवन की नश्वरता को हास्य और व्यंग्य के मेल से प्रस्तुत करते हैं।

भाषा और शिल्प

व्यंग्य-लेखन में भाषा की धार सबसे महत्वपूर्ण होती है, और यहां व्यंग्यकार ने सहज, प्रवाहमयी और चुटीली भाषा का प्रयोग किया है। ÷भेड़ की लात÷, ÷घुटनों तक , ... और गिड़गिड़ा÷, ÷जुबां और जूता दोनों ही सितमगर÷ जैसे शीर्षक ही भाषा में रोचकता और पैनेपन की झलक देते हैं।

हास्य और विडंबना का संतुलन

एक अच्छा व्यंग्यकार केवल कटाक्ष नहीं करता, बल्कि हास्य और विडंबना पर कटाक्ष का संतुलित उपयोग करके पाठक को सोचने पर मजबूर कर देता है। "फूल हँसी भीग गई, धार-धार पानी में", "तीन दिवस का रामराज", "लिट्रेचर फेस्ट में एक दिन" जैसे लेख संकेत करते हैं कि किताब में व्यंग्य के माध्यम से समाज के गंभीर पहलुओं को हास्य के साथ जोड़ा गया है।

समकालीनता और प्रासंगिक लेखन

लेखों के शीर्षकों से स्पष्ट है कि इसमें समकालीन राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर तीखी टिप्पणियाँ हैं। "डेंगू सुंदरी: एडीस एजिप्टी", "भ्रष्टाचार को देखकर होता क्यों हैरान?" और "अंगद के पांव" आदि व्यंग्य लेख आज के दौर की ज्वलंत समस्याओं को हास्य-व्यंग्य के जरिये प्रस्तुत करते है।

व्यंग्य के मूल्यों की पड़ताल

पुस्तक केवल समाज और राजनीति पर ही कटाक्ष नहीं करती, बल्कि साहित्यिक हलकों की भी पड़ताल करती है। ÷साहित्य का आधुनिक गुरु", ÷ताबड़तोड़ साहित्यकार", "साहित्य-त्रिदेवों का स्तुति वंदन" जैसे शीर्षक यह दर्शाते हैं कि इसमें साहित्यिक दुनिया के भीतर की राजनीति और दिखावे पर भी व्यंग्य किया गया है। यह किताब व्यंग्य-साहित्य के मानकों पर खरी उतरती है। इसमें हास्य, विडंबना, कटाक्ष और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत मिश्रण दिखाई देता है। भाषा प्रवाहमयी और चुटीली है, लेखों में पंच वाक्य भरपूर हैं। विषयवस्तु

शब्द सामर्थ्य -019

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा) 11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

1		■	2	3	4	■	5	6
	■	7				8	■	
9			■	10				
	■		■	■	■	12	■	
■	11		12		■	■	13	
14		■		■	■	15		■
16		■	17	18	19			■
20		21	■	22		■	■	■
	■			23				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 018 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सू- दोकू क्र. 019

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 018 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

राशिफल

मेष
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने के योग हैं। आज आपको अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन मिलेगा। इसका सकारात्मक असर आपके व्यक्तित्व पर पड़ेगा। आज किसी दोस्त या रिश्तेदार से चल रही गलतफहमी दूर होगी। स्टूडेंट को करियर संबंधित मेहनत के अच्छे नतीजे मिलेंगे। किसी अनजान की हेल्प करके आप अपने आप को कुछ बेहतर महसूस करेंगे।

वृषभ
आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका छुपा टैलेंट लोगों को पता चलेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बीतने से मानसिक सुकून मिलेगा। व्यापार में आज आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का साथ मिलेगा। आज घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। लवमेट के साथ कहीं घूमने जाएंगे। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढ़ेगा। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन
आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज बिजनेस में काम करने के तरीकों में बदलाव संबंधी नीतियों पर गंभीरता से विचार करेंगे। नई कार्य प्रणाली संबंधी योजनाएं सफल रहेंगी। नौकरी में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी। प्रमोशन की खबर मिलने के योग हैं। आज आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज किसी बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क
आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज अधूरे कामों पर ज्यादा ध्यान देंगे। कार्यक्षेत्र में बदलाव करने की सोच रहे हैं तो वास्तु के नियमों का ध्यान रखेंगे। आज ऑफिस में अपना कार्य समय पर निपटा लेंगे। आज जीवनसाथी और परिवार वालों में आपसी तालमेल रहेगा। आज आप किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जाएगा। आज आपके ईमानदारी की हर जगह चर्चा होगी। कार्यक्षेत्र में भी लोगों का विश्वास आप पर बनेगा।

सिंह
आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था को और बेहतर बनाने की जरूरत है। इससे काम करने के तरीकों में सुधार होगा। हर काम अपनी देखरेख में ही करवाएं। ऑफिस में कुछ लोग आपकी उन्नति से जलन की भावना रख सकते हैं। आज मन मुताबिक तरीके से सभी काम निपटाते जाएंगे। सामाजिक कामों में आपकी मौजूदगी से तारीफ मिलेगी। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा।

कन्या
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज किसी भी फोन कॉल को नजरअंदाज न करें, आपको विशेष सूचना मिल सकती हैं। करीबी इंसान की मदद करके आपको खुशी मिलेगी। घर की व्यवस्था को उचित बनाने में आपकी कोशिश कामयाब रहेगी। आज परिवार के साथ किसी उत्सव में जाने का मौका मिलेगा। आज ऑफिस में टीम वर्क से बेहतर नतीजे मिलेंगे। काफी दिनों बाद आज परिवार के साथ समय बिताएंगे। आज उनके प्रति लगाव बढ़ेगा। आज रुके कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज अपनी योजनाओं को व्यवस्थित करेंगे। दूसरों की बजाय अपनी खूबियों पर भरोसा रखेंगे, आपको फायदा मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक रिश्ते मजबूत होंगे। परिवार के साथ मनोरंजन और घूमने में कुछ समय बीतेगा। आज आपको अपनी इच्छा शक्ति के साथ अपनी भावनाओं में भी सुधार लाने की जरूरत है। इस राशि के छात्रों को प्रतियोगी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है।

वृश्चिक
आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज बिजनेस के काम करने के तरीके का जिक्र दूसरे से न करें। नौकरी या बिजनेस में महत्वपूर्ण फैसला आज न लें। स्टूडेंट्स को किसी प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज परिवार के लोग साथ में समय बिताएंगे। लवमेट के साथ मुलाकात का मौका मिलेगा। आज आप नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु
आज आप महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज बातचीत करते समय ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। आज बीती हुई पुरानी बातों को खुद पर हावी न होने दे। ध्यान और मेडिटेशन से आप मानसिक तौर पर स्वस्थ रहेंगे। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। राजनीति से जुड़े लोग आज सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आज आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आएगी।

मकर
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज मीडिया, मार्केटिंग के बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए सफलता का समय है। नौकरी कर रहे लोग अपने काम पर ज्यादा ध्यान देंगे। आज स्वभाव में लचीलापन लाएं। आपकी जिद्द से पारिवारिक समस्या बढ़ेगी। छात्र अपनी तैयारी जम कर करें, जल्द अच्छे अंक हासिल होंगे। आपके वेतन में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं। आज आप दूसरों को अपनी बातों से आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम आज अपनों की मदद से पूरा हो जाएगा।

कुंभ
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज आपके काम समय मुताबिक पूरे होते जाएंगे। पूरे आत्मविश्वास से कोशिश करते रहें। वाहन खरीदने की योजना है तो दिन शुभ है। व्यस्तता के बावजूद रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ समय बीतेगा। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने आत्मविश्वास और आत्म सम्मान को कम न होने दें। असमंजस में विश्वसनीय लोगों से सलाह-मशवरा करें। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। जीवनसाथी आपको उपहार देंगे।

मीन
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर मिलेगा। आज कहीं रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। गलतियों से सीख लेकर अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को परीक्षा में अच्छे नतीजे मिलेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा।

धूमिल होती विवाह संस्कार की गरिमा और मर्यादा

(मनोज कुमार अग्रवाल -विनायक फीचर्स)

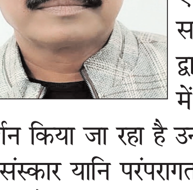

देश के अधिकांश हिस्सों में हिन्दू समाज के कुछ वर्गो खासकर एलीट और सम्पन्न समझे जाने वाले लोगों द्वारा विवाह आयोजन में जिस तरह का वैभव प्रदर्शन किया जा रहा है उन सबके बीच विवाह का संस्कार यानि परंपरागत सप्तपदी के फेरे की रस्में गौण बनती जा रही है। जबकि सबसे महत्वपूर्ण अग्नि के समक्ष वर वधू के फेरे और जन्म जन्मांतर साथ निभाने के वचन ही हैं जिनके लिए यह सारा समारोह आयोजित किया जाता है। इन दिनों दक्षिण में विवाह की रस्म कराते कर्म कांडी पुरोहित के साथ अभद्र मजाक बनाने का विडियो वायरल हुआ। यह वायरल वीडियो तो सिर्फ आइना है वास्तव में कुछ लोग विवाह के संस्कार को बहुत हल्के और बेहद गैर गंभीर तरीके से लेने लगे हैं। उनका सारा जोर ही डांस और पार्टी हल्ला-गुल्ला पर रहने लगा है। इतना ही नहीं वरमाला पर वर वधू का आचरण भी विवाह संस्कार की मर्यादा का हनन ही है। हाल ही में देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका साफ संदेश यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। दरअसल, पिछले कुछ सालों में लिव-इन का प्रचलन विवाह संस्था के वजूद को हिला रहा है बिन फेरे हम तेरे के चलन ने तमाम सामाजिक वर्जनाओं के ताने बाने को तहस नहस कर दिया है। तिस पर विवाह से पूर्व प्री वेडिंग शूट के नए प्रचलन ने तमाम संस्कार और मर्यादा मान्यताओं का बेड़ा गर्क कर दिया है।

हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर-तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर-वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है। निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता या करार भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरुआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते।

सनातन वैदिक परम्परा में विवाह को एक बहुत पवित्र संस्कार माना गया है इस संस्कार के समय वर को विष्णु और वधू को साक्षात लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। इस संस्कार में विष्णु स्वरूप को एक पिता आदर भाव से पूजा कर उसे लक्ष्मी स्वरूप कन्या सौंपता है। इतना ही नहीं दूसरे धर्मावलंबियों की तरह हिन्दू समाज में विवाह एक समझौता नहीं है वरन जन्म जन्मांतर तक साथ निभाने का वचन है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि + वाह,है। इसका शाब्दिक अर्थ है वहन करना यानि विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना । पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी के बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे ले कर और ध्रुव तारे को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक सम्बंध से अधिक आत्मिक संबंध होता है और इस संबंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता। यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने-गाने तथा पार्टीबाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है। नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं। जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार-विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए। यह सवाल रूढ़िवादिता का नहीं है बल्कि अपनी परंपराओं के गरिमापूर्ण पालन का है। दुनिया के तमाम धर्मों में सदियों से चली आ रही वैवाहिक परंपराओं का आदर के साथ अनुपालन किया जाता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित रीति-रिवाजों का सम्मान करने जैसा ही होता है। जो नया जीवन शुरू करने वाले वर-वधू को एक आशीष जैसा ही होता है।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल दो दिवसीय प्रवास पर आज आएंगे रीवा

प्रभारी मंत्री 17 अप्रैल को बिछिया नदी उद्गम स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

रीवा,कासं.। रीवा जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल दो दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल सतना जिले से 16 अप्रैल को शाम 6 बजे प्रस्थान कर शाम 7 बजे रीवा में श्री विशम्भरनाथ पटेल के निवास पहुंचेंगे। प्रभारी मंत्री रात 8.15 बजे राजनिवास रीवा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। प्रभारी मंत्री 17 अप्रैल को सुबह 7 बजे राजनिवास से प्रस्थान करेंगे तथा सुबह 8 बजे मऊगंज पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बिछिया नदी उद्गम स्थल पर पूजन, जनचर्चा एवं ग्रामसभा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री सुबह 10.30 बजे वापस राजनिवास रीवा पहुंचेंगे तथा सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जिला योजना समिति की बैठक में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में शाम 4 बजे से 5 बजे तक आयोजित पंच-सरपंच सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री शाम 5.05 बजे राजनिवास पहुंचेंगे तथा शाम 6 बजे राजनिवास से दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के लिए प्रस्थान करेंगे।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदनों का निराकरण करें : कमिश्नर

रीवा,कासं.। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें। इस माह प्रस्तावित समाधान ऑनलाइन में स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा विभाग की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना एवं प्रसूति सहायता, गृह विभाग की एफआईआर लिखने में देरी तथा ऊर्जा विभाग की बिजली न आने एवं वोल्टेज संबंधी शिकायतों की समीक्षा की जाएगी। निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में राजस्व विभाग के खसरा ऑनलाइन अपडेट करने, नामांतरण एवं बंटवारे से संबंधित प्रकरण, ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत द्वारा सामग्री क्रय एवं अन्य भुगतानों से जुड़े आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। समाधान ऑनलाइन में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की नलजल योजनाओं से संबंधित आवेदन एवं सभी विभागों के सीएम हेल्पलाइन में सौ दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी। सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। मार्च माह में दर्ज आवेदनों तथा 50 दिवस से अधिक समय से लंबित आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विभाग रैंकिंग में सी और डी श्रेणी में न रहे।

जनसुनवाई में आमजनता के 68 आवेदन पत्रों में हुई सुनवाई

रीवा,कासं.। आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले ने आमजनता के 68 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जन सुनवाई में जमीन के सीमांकन, भू अर्जन, नामांतरण, उपचार सहायता, पेंशन भुगतान, जमीन से अवैध कब्जा हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में वंशगोपाल सिंह निवासी महसांव ने जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम गुढ़ को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए। राजकरण सिंह निवासी अमिलकी ने उन्हें छठवें और सातवें वेतनमान का लाभ देने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने उप संचालक पशुपालन को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय में आउटसोर्स संस्था कैपिटल इन्फोलाइन मार्केटिंग लिमिटेड में नर्स के रूप में कार्यरत श्रीमती सपना चौरसिया ने प्रसूति अवकाश के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने जिला श्रम पदाधिकारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जिला श्रम पदाधिकारी ने संस्था के संचालक से फोन पर निर्देश देकर प्रसूति अवकाश स्वीकृत कराया।

संत प्रसाद चतुर्वेदी निवासी लक्ष्मणपुर ने सरकारी मार्ग से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। संतोष कुशवाहा निवासी मझगवां ने तहसीलदार द्वारा सीमांकन के संबंध में पारित आदेश का पालन कराने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर को आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सूरजदीन तिवारी निवासी पुरवा ने सीमांकन कराने, मनोज कुमार निवासी हटवा ने खसरे में सुधार तथा ऊषा देवी निवासी उमरी ने आम रास्ते से कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री की सौजन्य भेंट

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने अपनी दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्रीं उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेट की। उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सार्थक चर्चा की।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले भर में हो रहे जल संरक्षण के कार्य

रीवा। रीवा और मऊगंज जिले में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। पुराने जल स्त्रोतों तथा तालाबों की साफ-सफाई एवं सुधार के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ खेत तालाब निर्माण, हैण्डपंपों तथा कुओं में रिचार्ज पिट बनाने का कार्य प्रत्येक विकासखण्ड में किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्राम पंचायत मऊ में खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। जनपद पंचायत जवा की ग्राम पंचायत जतरी में भी खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है।

ग्राम तेंदुआ में तीन कूपों में रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। यहाँ दो हैण्डपंपों में भी रिचार्ज पिट बनाए गए हैं। मऊगंज जिले की जनपद पंचायत मऊगंज के ग्राम पटपरा में उपयंत्री पवन गुप्ता की देखरेख में तीन ट्यूबवेलों में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं।जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा जिले की ग्राम पंचायत उसकी में महिला स्वसहायता समूहों ने गांव में जल संरक्षण जागरूकता रैली निकाली। इसके बाद महिलाओं ने तालाब की साफ-सफाई में श्रमदान किया।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला श्योपुर (म.प्र.)

E-mail modgmshe@mp.gov.in

क्र./खनि/3–6/क्यू.एल.98/2025/14190 श्योपुर दिनांक 7/04/2025

म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1–क) के अन्तर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेंसर्स आर.एस. स्टोन क्रेशर पता नियर रेलवे फाटक श्योपुर (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 16.01.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक G-22302/24 से प्रकाशित की गई थी इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 27 अप्रैल 2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनि पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेगें।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
श्योपुर	बड़ौदा	सलमान्या	233	कुल रकवा 15.971 हे. में से आवेदित रकवा 15.000 हे.	शासकीय	गिट्टी, बोल्डर, एम–सेण्ड	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आावेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
(खनि शाखा)
जिला श्योपुर (म.प्र.)

G-11592/25

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकन टेक फर्म यूएसटी ने भारत में किया विस्तार, बेंगलुरु में खोला नया ऑफिस

बेंगलुरु ,एजेंसी। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली अमेरिकी कंपनी यूएसटी ने मंगलवार को कहा कि कंपनी ने बेंगलुरु में नया ऑफिस खोला है। यह शहर में कंपनी का चौथा ऑफिस है, जिसमें 300 लोगों के बैठने की क्षमता है। यूएसटी ने 2012 में बेंगलुरु में अपना परिचालन शुरू किया था और वर्तमान में यह शहर इसका दूसरा सबसे बड़ा ग्लोबल डिलीवरी सेंटर है, जिसमें 6,500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जो सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य सेवा, टेक्नोलॉजी, लॉजिस्टिक्स, हाई-टेक, रिटेल और बीएफएसआई में नए समाधान प्रदान करते हैं। बेंगलुरु के सेंटर हेड, किरणकुमार डोरस्वामी ने कहा, नई सुविधा का उद्घाटन भारत में यूएसटी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। शहर के प्रमुख टेक हब में सैटेलाइट कार्यालयों के साथ, हमारा लक्ष्य अपने कर्मचारियों को उनके घरों के करीब सुविधाजनक कार्यस्थल प्रदान करना है, जिससे यात्रा की थकान कम हो और उन्हें इनोवेशन और उत्पादकता पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाया जा सके। उन्होंने आगे कहा, यह विस्तार हमारे ग्राहकों के लिए हाई-वैल्यू सॉल्यूशंस प्रदान करते हुए एक गतिशील और कर्मचारी-केंद्रित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। यूएसटी भारत भर में अपना विस्तार जारी रखे हुए है। साथ ही, डिजिटल परिवर्तन और टेक्नोलॉजी सेवाओं में वैश्विक अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। मार्च 2025 में, यूएसटी ने पुणे में 1,000 सीटों की क्षमता वाले ऑफिस का उद्घाटन किया, जिसमें शहर में अगले पांच वर्षों में 6,000 नौकरियां पैदा करने की योजना है। कैलिफोर्निया स्थित मुख्यालय वाली यूएसटी ने कहा कि उसने देश भर में अपनी उपस्थिति का काफी विस्तार किया है। कंपनी के ऑफिस बेंगलुरु, तिरुवनंतपुरम, हैदराबाद, कोच्चि, पुणे, मुंबई, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली एनसीआर, अहमदाबाद, होसुर सहित प्रमुख स्थानों पर हैं और कंपनी देश भर में 20,000 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती है।

सोने का भाव पहुंच सकता है 1,30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, जानिए गोल्डमैन सैक्स का ये नया अनुमान

नई दिल्ली ,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में टैरिफ के चलते मचे उथल-पुथल के बीच लगातार सोने की कीमतों में भारी इजाफा देखा जा रहा है। सोने के बढ़ते दामों को लेकर गोल्डमैन सैक्स ने बड़ी भविष्यवाणी की है। ट्रेड वॉर के कारण सोने की कीमतें और बढ़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये कीमतें 4,500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती हैं। इस हिसाब से सोना 1.30 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच सकता है। फिलहाल अभी सोने का भाव 3,247 डॉलर प्रति औंस है। इस तरह कीमतों में लगभग 38 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। गोल्डमैन सैक्स ने अमेरिकी-चीन व्यापार युद्ध और मंदी की आशंकाओं को देखते हुए यह अनुमान लगाया है। विदेशी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि अगर हालात बहुत खराब होते हैं तो 2025 के अंत तक सोने की कीमतें 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। इसके अलावा, उसका यह भी कहना है कि सामान्य स्थिति में भी सोने की कीमतें 2025 के अंत तक 3,700 डॉलर प्रति औंस तक बढ़ सकती हैं। गोल्डमैन सैक्स ने 2025 के अंत के लिए सोने के टारगेट में तीसरी बार बदलाव किया है। इससे पहले, इस विदेशी बैंक ने सोने की कीमत का टारगेट 3,300 डॉलर प्रति औंस तय किया था। विदेशी फर्म का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध बढ़ने के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसलिए, मंदी से बचने के लिए सोने की मांग बढ़ गई है। पिछले हफ्ते सोने की कीमतों में 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कोविड-19 के बाद सोने का यह सबसे अच्छा साप्ताहिक प्रदर्शन था। इसकी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ से वैश्विक स्तर पर बढ़ती अस्थिरता है।

चेन्नई ने रोमांचक मुकाबले में लखनऊ को 5 विकेट से हराया

धोनी ने खेली मैच जिताऊ पारी

लखनऊ,एजेंसी। आईपीएल 2025 का 30 वां मैच इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ और चिन्नई के बीच खेला गया. जिसमें धोनी की टीम ने ऋषभ पंत की टीम को 5 विकेट से हराकर इस सीजन में अपनी दूसरी जीत दर्ज की है. चिन्नई के लिए यह जीत काफी अहम थी क्योंकि 5 मैच लगातार हारने के बाद उन्हें ये जीत नसीब हुई है.

167 रनों के लक्ष्य को सीएसके के लिए मुश्किल नजर आरहा था लेकिन आखिर में धोनी की 11 गेंदों में 26 रनों की तेज तर्रार पारी और शिवम दुबे की 37 गेदों में 43 रनों की झुझारू पारी ने मैच को चिन्नई की झोली में डाल दिया. सीएसके की 7 मैचों में ये दूसरी जीत है जबकि लखनऊ की 7 मैचों में ये तीसरी हार है.

धोनी और दूबे के अलावा आईपीएल में अपना पहला मैच खेलने वाले शैख रशीद और राचिन रवींद्र ने अच्छी बल्लेबाजी की. रशीद ने 19 गेंद में 27 जबकि रचिन 22 गेंद में 37 रनों की पारी खेली.

इससे पहले शाम को, सीएसके के गेंदबाजों ने नियंत्रित प्रदर्शन के साथ जीत की नींव रखी. खलील अहमद ने पहले ओवर में एडेन मार्करम को आउट करके शानदार शुरुआत दी, जिसका श्रेय राहुल त्रिपाठी को जाता है. फिर ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ खेल रहे अंशुल कंबोज ने अपनी गति में चतुराई से बदलाव करते हुए खतरनाक निकोलस पूरन को मात्र 8 रन पर आउट कर दिया जो धोनी द्वारा लिए गए सफल डीआरएस रेफरल की वजह से विकेट मिला.

कप्तान ऋषभ पंत ने 49 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेलकर एलएसजी के लिए पारी को संभाला- जो इस सीजन का उनका पहला अर्धशतक था. मिशेल मार्श (25 गेंदों पर 30 रन) और आयुष बदोनी (17 गेंदों पर 22 रन) के साथ साझेदारी बनाई. लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स की स्पिन तिकड़ी की बदौलत एलएसजी की पारी डेथ ओवरों में शानदार नहीं रही। रवींद्र जडेजा ने बीच के ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने मार्श को आउट किया और बाद में बदोनी को स्टंप आउट किया- जो आईपीएल में धोनी का ऐतिहासिक 200वां शिकार था. नूर अहमद ने पंत को शांत रखा और उन्हें फेंकी गई 15 गेंदों पर केवल छह रन दिए. मथीशा पथिराना ने डेथ ओवरों में सटीक प्रदर्शन किया और एलएसजी केवल 166/7 तक ही पहुंच पाई.

167 के जवाब में सीएसके की पारी की शुरुआत एक आश्चर्यजनक बदलाव के साथ हुई, युवा खिलाड़ी शेख रशीद ने आईपीएल में पदार्पण किया, खराब फॉर्म में चल रहे डेवोन कॉनवे की जगह रचिन रवींद्र के साथ ओपनिंग की. रशीद ने 19 गेंदों पर 27 रन बनाए, जिसमें स्टाइलिश फ्लिक और एक शक्तिशाली पुल शामिल था. रचिन ने भी 22 गेंदों पर 37 रन बनाया और दोनों ने केवल 4.2 ओवरों में 50 रन जोड़कर एक मजबूत मंच तैयार किया। लेकिन एलएसजी ने स्पिन के साथ वापसी की, क्योंकि रवि बिश्नोई और एडेन मार्कराम ने रचिन और त्रिपाठी को जल्दी-जल्दी आउट किया. फिर, जडेजा आउट हो गए और विजय शंकर तेजी से रन बनाने की कोशिश में आउट हो गए, जिससे 15 ओवरों के बाद सीएसके का स्कोर 111/5 हो गया, और उन्हें 30 गेंदों पर 56 रन की जरूरत थी.

जेमी ओवरटन से पहले बल्लेबाजी करते हुए धोनी को पता था कि उन्हें अपने आक्रमण का सही समय चुनना होगा. उन्होंने धीमी शुरुआत की, लेकिन फिर 16वें ओवर में एक चौका और एक और बाउंड्री लगाकर अपनी लय हासिल कर ली. फिर उन्होंने 17वें ओवर में डीप स्क्वायर पर एक शानदार छक्का जड़ा, जिससे चेन्नई सुपर किंग्स के डगआउट और दर्शकों में जोश भर गया। दूसरी तरफ शिवम दुबे ने दबाव को झेला, हालांकि शुरुआत में वे दबाव में थे, लेकिन 19वें ओवर में उन्होंने शार्दुल ठाकुर की धज्जियां उड़ा दीं. उस ओवर में चेन्नई सुपर किंग्स को 19 रन मिले, जिससे आखिरी ओवर में केवल 5 रन की जरूरत रह गई. फिर 3 गेंद शेष रहते ही चिन्नई अपनी दूसरी जीत दर्ज कर ली. दुबे 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि धोनी ने 11 गेंदों पर 26 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।

एसबीआई ने एफडी ब्याज दरों में की कटौती, 15 अप्रैल से लागू होंगी नई दरें; वरिष्ठ नागरिकों को ज्यादा लाभ!

नई दिल्ली ,एजेंसी। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में बदलाव की घोषणा की है। नई दरें 15 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होंगी। बैंक ने सामान्य ग्राहकों और वरिष्ठ नागरिकों दोनों के लिए 1 से 3 साल की अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरों में 10 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई एफडी दरें

बदलाव के बाद, वरिष्ठ नागरिकों को 1 साल से लेकर 2 साल से कम की अवधि वाली एफडी पर अब 7.20% ब्याज मिलेगा, जो पहले 7.30% था। वहीं, 2 साल से लेकर 3 साल से कम की अवधि वाली एफडी पर ब्याज दर 7.50त से घटकर 7.40% हो गई है। अन्य अवधियों के लिए, वरिष्ठ नागरिकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की एफडी पर 4% से लेकर 7.50% तक ब्याज दर मिलेगी।

एसबीआई अमृत कलश योजना फिर से शुरू

एसबीआई ने अपनी विशेष एफडी योजना अमृत कलश को संशोधित ब्याज दरों के साथ फिर से शुरू किया है। 444 दिनों की इस अवधि वाली योजना में अब सामान्य नागरिकों को 7.05% प्रति वर्ष की ब्याज दर मिलेगी, जो पहले 7.25% थी। वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना में 7.55% प्रति वर्ष की ब्याज दर मिलेगी, जिसमें 50 बेसिस प्वाइंट्स की अतिरिक्त छूट शामिल है। पहले वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना में 7.75% ब्याज मिलता था। एसबीआई के इस कदम से एफडी में निवेश करने वाले ग्राहकों की कमाई पर थोड़ा असर पड़ सकता है। हालांकि, बैंक का कहना है कि यह बदलाव बाजार की मौजूदा स्थितियों को देखते हुए किया गया है। एफडी अब भी निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और लोकप्रिय विकल्प बनी हुई है।

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने रचा इतिहास, कोहली और गेल के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की

रावलपिंडी,एजेंसी। पाकिस्तान के दाएं हाथ के धाकड़ बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सोमवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मैच के दौरान इतिहास रच दिया. वह सनसनीखेज शतक के साथ विराट कोहली और क्रिस गेल जैसे खेल के शीर्ष खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए। फरहान ने हाल ही में संपन्न नेशनल टी20 कप की अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा, जहां उन्होंने 3 शतक बनाए थे. 29 वर्षीय फरहान ने साल का अपना चौथा टी20 शतक जड़ा, उन्होंने सिर्फ 52 गेंदों पर 106 रन बनाए और यूनाइटेड को 243 रनों का विशाल स्कोर बनाने में मदद की, जो पीएसएल के इतिहास में संयुक्त रूप से छठा सबसे बड़ा स्कोर है। इस शतकीय पारी के साथ ही फरहान ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया और एक साल में 4 टी20 शतक लगाने वाले इतिहास के केवल पांचवें खिलाड़ी बन गए. 29 वर्षीय फरहान ने अब तक 9 टी20 मैच खेले हैं और क्रिस गेल, विराट कोहली, जोस बटलर और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों के साथ यह रिकॉर्ड शेयर किया है। इसके अलावा, वह ऐसा करने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने एक साल में 3 शतक लगाने के बाबर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. बाबर आजम ने 2019 और 2023 में 3-3 शतक लगाए हैं। गौरतलब है कि गेल ने अपने करियर में 3 बार एक साल में 3 शतक लगाए हैं। पिछले महीने फरहान ने टी20 नॉकआउट मैच में गेल के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सेमीफाइनल में पेशावर क्षेत्र के लिए एबटाबाद क्षेत्र के खिलाफ खेलते हुए 72 गेंदों पर 148 रनों की पारी खेली वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज ने इससे पहले मीरपुर में 2017 बांग्लादेश प्रीमियर लीग के फाइनल में ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ रंगपुर राइडर्स के लिए 146 रन की पारी खेलकर रिकॉर्ड बनाया था।

एसएनसीयू में उपचार से बची नवजात जान

शिवपुरी ब्यूरो। जिला चिकित्सालय शिवपुरी में संचालित एसएनसीयू में पिछोर से रैफर होकर पहुंचे एक किलो तीन सौ ग्राम बजन के बच्चे जिसने दो बार सांस लेना बंद कर दिया था, कि जान बचा कर सराहनीय कार्य किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय ऋषीश्वर ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि जिला चिकित्सालय शिवपुरी में स्थित एसएनसीयू प्रतिवर्ष हजारों गंभीर रूप से बीमार नवजातों का उपचार कर उनकी जीवन रक्षा कर रहा है। ऐसा की वाक्या उस समय सामने आया जब पिछोर विकासखंड के ग्राम हिनोतिया निवासी दीक्षा लोधी पत्नी प्रिंस लोधी ने 3 मार्च 2025 की रात डेढ बजे एक लडके को जन्म दिया, लेकिन बच्चे का बजन मात्र एक किलो तीन सौ ग्राम होने तथा स्वास्थ्य स्थिति गंभीर होने से 108 एम्बुलेंस के माध्यम से तत्काल जिला चिकित्सालय स्थित एसएनसीयू हेतु रैफर किया गया। एसएनसीयू पहुंचने पर नवजात को तत्काल भर्ती कर डॉ बृजेश मंगल एवं डॉ दिनेश कौशिक द्वारा उपचार प्रारंभ किया गया। उपचार के दौरान बच्चे ने दो बार सांस लेना बंद कर दिया, लेकिन चिकित्सकों एवं स्टाफ की सूझबूझ से बच्चे के न केवल श्वसन क्रिया का उपचार किया बल्कि बच्चे को उचित उपचार प्रदान कर सकुशल डिसचार्ज कर सराहनीय कार्य किया।

पोहरी पुलिस ने दो नाबालिग लड़कियों को 12 घंटे के भीतर किया दस्तयाब

शिवपुरी ब्यूरो। पोहरी थाना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 12 घंटे के भीतर ही दो नाबालिग लड़कियों को दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

जानकारी के अनुसार फरियादी उमेश (काल्पनिक नाम) पोहरी ने 14 अप्रैल को अपनी लड़की सीता (काल्पनिक नाम) व पड़ोसी की लडकी गीता (काल्पनिक नाम) के घर से बिना बताए कही चले जाने की रिपोर्ट थाना पोहरी पर की थी जिस पर से थाना हाजा पर अप क्र 111/25 धारा 137(2) बी.एन.एस का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। आज निरी. रजनी सिहं चौहान द्वारा कार्यवाही करते हुए अपरहत बालिका उम्र 14 साल व उम्र 11 साल निवासी पोहरी जिला शिवपुरी को बस स्टेण्ड शिवपुरी से दस्तयाब किया गया बाद नाबालिग बालिकाओ को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया जहाँ से बालिकाओ को उनके परिजनो को सुपुर्द किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में निरी. रजनी सिंह चौहान, उनि चेतन शर्मा, प्रआर राजीव छारी, आर कुलदीप शर्मा, मुनेश धाकड, संदीप राठोर, गिर्राज त्यागी, सियाराम मीणा, राहुल सिंह व म.आर. मंजूलता शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई निरंतर की जा रही है, जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चैहान के निर्देशन में वार्ड क्रमांक 26 में गन्दगी करने वालों पर 3250 रुपए जुर्माना किया गया।

बाबा साहब का विजन आज भी संविधान की आत्मा बना हुआ है : कलेक्टर चौधरी

एक साधारण व्यक्ति भी असाधारण योगदान दे सकता है यह बाबा साहब ने कर दिखायाः एसपी राठौड़

जाटव समाज युवा समिति डांडा कमलागंज का अम्बेडकर जयंती का भव्य कार्यक्रम आयोजित

शिवपुरी ब्यूरो। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जाटव समाज युवा समिति डांडा,कमलागंज द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए की गई। इस मौके पर कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि बाबा साहब ने ऐसे समय में जन्म लिया जब समाज में छुआछूत और भेदभाव चरम पर था। फिर भी उन्होंने न सिर्फ उच्च शिक्षा प्राप्त की, बल्कि समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने मुंबई से एमए, कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डिलिट की डिग्री हासिल की। उन्होंने सामाजिक असमानता को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। संविधान निर्माण के समय उन्हें ड्राफ्टिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया, जहाँ उन्होंने सभी नागरिकों को समान अधिकार सुनिश्चित किए।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अमन सिंह राठौड़ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कोई भी परिस्थिति व्यक्ति को रोक नहीं सकती। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स तक का सफर विपरीत परिस्थितियों में तय किया। हमें उनसे यह सीखना चाहिए कि बहाने नहीं, प्रयास रास्ता बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी महापुरुष या धार्मिक पर्व को लेकर अभद्र टिप्पणियाँ न करें। सभी महापुरुष हमारे पथप्रदर्शक हैं, और उनका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि बाबा साहब ने महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाने के लिए संसद में संघर्ष किया और जब महिला अधिकारों से जुड़ा कानून पास नहीं हुआ, तो उन्होंने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। तथागत फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी आलोक एम. इंदौरिया ने कहा कि आज के युवाओं को बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सिर्फ दलित समाज ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए सोचने और एक मजबूत संविधान का निर्माण करने का कार्य किया। युवाओं को चाहिए कि वे नशे से दूर रहें, सोशल मीडिया के भ्रम से बचें और शिक्षा को प्राथमिकता दें, क्योंकि यही असली सम्मान है बाबा साहब के विचारों का। मुख्य अतिथियों में सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक डॉ विजय सिंह मौर्य ने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा और संविधान के माध्यम से समाज को जागरूक किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि संघर्ष और ज्ञान से बदलाव संभव है। पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री भाजपा राजू बाथम ने कहा कि बाबा साहब का योगदान केवल संविधान तक सीमित नहीं है, उन्होंने सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की नींव रखी। उनकी सोच आज भी प्रासंगिक है। पूर्व पार्षद वीरेंद्र शिवहरे ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के दबे-कुचले वर्ग को आवाज़ दी और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा। कार्यक्रम का सफ़ल संचालन कन्हैयालाल शाक्य ने किया जबकि मुख्य अतिथियों का परिचय पत्रकार नीरज कुमार छोटू द्वारा कराया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार वीरेन्द्र चौधरी, पत्रकार केदार सिंह गोलिया एवं पत्रकार नीरज कुमार छोटू और समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी आमंत्रित अतिथियों को बाबा साहब का चित्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन का आयोजन जाटव समाज युवा समिति डांडा, कमलागंज शिवपुरी द्वारा किया गया। समिति के रामस्वरूप मौर्य, रामचरण मौर्य, नारायण मौर्य, महेश मौर्य,बनवारी मौर्य, बंटी मोहनिया,अनिल मौर्य, डॉ. कपिल मौर्य, कन्हैयालाल शाक्य, दीपू मौर्य, दिनेश मौर्य, अखिलेश मौर्य, धर्मेन्द्र मौर्य, विष्णु मौर्य, विक्रम मौर्य, रोहित मौर्य, यशवंत मौर्य, संजय मौर्य, मोहित मौर्य की आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया और आभार प्रदर्शन पार्षद अशोक खन्ना द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने मंचासीन अतिथियों, आगंतुकों, आयोजन समिति और सभी नागरिकों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

बाबा साहेब लोक कल्याण समिति द्वारा अम्बेडकर जयंती चल समारोह का किया भव्य स्वागत

शिवपुरी ब्यूरो। संविधान के मुख्य शिल्पकार, भारत रत्न, देश के प्रथम कानून मंत्री और आधुनिक भारत के निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का 134 वां जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ शिवपुरी जिलेभर में मनाया गया। वहीं शिवपुरी शहर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के प्रमुख मार्गो बाबा साहब डॉ अम्बेडकर जी का चल समारोह निकाला गया। जिसका विभिन्न स्थानों पर समाजसेवी संस्थाओं, विभिन्न समाजों, जनप्रतिनिधियों सहित अनेक लोगों ने स्वल्पाहार, शीतल पेय जल, पूड़ी सब्जी, फलों, नींबू शिकंजी, एप्पल शेक विभिन्न सामग्रियों से स्वागत सत्कार किया। वहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाबा साहेब लोक कल्याण समिति द्वारा अपने नियत स्थान कोर्ट रोड़ दाऊ साहब के निवास पर स्वल्पाहार पोहा और पानी की बोतलों का वितरण सहित झांकियो पर माल्यार्पण कर चल समारोह का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक डॉ विजय सिंह मौर्य, राहुल चौहान, बाबा साहेब लोक कल्याण समिति के संयोजक घनश्याम जाटव, सहसंयोजक सृजन राजे, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.कपिल मौर्य, वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र चौधरी, पत्रकार केदार सिंह गोलिया, कमलेश सिंह सेंगर, नीरज कुमार छोटू, सनी जाटव, राहुल जाटव,मिथुन जाटव, कुलदीप आर्य, रमेश जाटव, पत्रकार राहुल रिठोरिया, सागर शिवहरे, पत्रकार कपिल शिवहरे, दीपक रजक, मोनू शाक्य, आशीष जाटव, अत्यदीप राहुल, धर्मेंद् जाटव, दिनेश चौधरी आदि उपस्थित रहे। दाऊ बलभद्र सिंह एवं जितेंद्र सिंह (लव दादा) द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चल समारोह के स्वागत हेतु समिति को विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

देहात पुलिस की स्मैक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 50 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत स्मैक के खिलाफ अभी तक की सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। देहात थाना पुलिस ने सोमवार को राजस्थान से 50 लाख रूपए की स्मैक लेकर आए तस्कर रंगलाल मीणा को 208.80 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।

देहात टीआई रत्नेश सिंह यादव के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी रंगलाल मीणा को इंडस्ट्रियल एरिया में वेयरहाउस के सामने से गिरफ्तार किया गया। बरामद स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इससे पहले दो दिन में कोतवाली पुलिस ने गुना जिले के एक आरोपी को 102 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। इस तरह तीन दिनों में पुलिस ने कुल 300 ग्राम से अधिक स्मैक जब्त की है। जांच में सामने आया है कि रंगलाल पुराना तस्कर है। वह 2009-10 में नीमच में साढ़े तीन क्विंटल डोडा चूरा के साथ पकड़ा गया था। इस साल जनवरी में भी झालावाड़ में 1.300 किलोग्राम डोडा चूरा के साथ गिरफ्तार हुआ था। उक्त कार्रवाई में निरी. रत्नेश सिंह, उनि. सपना रावत, उनि धर्मेन्द्र जाट प्रभारी सायवर सेल एवं उनकी टीम, सउनि विनोद सिंह गुर्जर, प्रआर सुरेन्द्र दुबे, मोहन सिह चौहान, विनय सिह, दीपचंद्र, सुनील भार्गव, आदेश धाकड, धर्मेन्द्र सेगर, आर. बदन सिंह, दिनेश सिंह, सचेन्द्र शर्मा, मनोज कुमार, रणवीर शर्मा, राघवेन्द्र रावत, म.आर. शिल्पी गुप्ता की मुख्य भूमिका रही है।

नवविवाहिता ने लगाया पति सहित 10 लोगों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप

मारपीट कर छीने गहने, 5 लाख और गाड़ी की मांग

शिवपुरी ब्यूरो। भौंती थाना क्षेत्र के पिपारा गांव की रहने वाली नवविवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए एसपी को शिकायती आवेदन सौंपा है। पीड़िता कौशल्या लोधी ने अपने पति नरेन्द्र लोधी सहित 10 ससुरालजनों पर दहेज मांगने, मारपीट करने, जेवर छीनने और घर से निकालने का आरोप लगाया है।

कौशल्या ने बताया कि उसकी शादी 12 फरवरी 2024 को ग्राम जराय के नरेन्द्र लोधी से हिंदू रीति-रिवाज के साथ सम्पन्न हुई थी। शादी में उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से 7-8 लाख रुपए खर्च कर दान-दहेज दिया था, फिर भी ससुराल वाले संतुष्ट नहीं हुए और 5 लाख नकद और चार पहिया वाहन की मांग करने लगे। कौशल्या ने कहा कि जब वह मांग पूरी नहीं कर पाई तो उसके ससुराल वालों ने उसके गहने छीन लिए और लगातार मारपीट व प्रताड़ित करने लगे। करीब एक साल पहले उसे ससुराल से निकाल दिया गया और तब से वह अपने माता-पिता के घर पिपारा में रह रही है। पीड़िता के अनुसार पूर्व में थाना भौंती में भी आवेदन दिया था, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इस वजह से अब उसने पुलिस अधीक्षक से प्रकरण दर्ज कर ससुराल पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उसने यह भी कहा कि यदि ऐसे मामलों में समय पर कार्रवाई नहीं की गई तो दहेज प्रताड़ना की शिकार महिलाएं यूं ही अत्याचार सहने को मजबूर होती रहेंगी।

पोषण पखवाड़ा ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित

धौलपुर ब्यूरो। राष्टीय पोषण अभियान अन्तर्गत आयोजित पोषण पखवाड़ा ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम ग्रामीण उद्यमषाला बिजौली में तहसीलदार उत्तमचंद बंसल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। पोषण पखवाड़ा पोषण में सुधार के लिए समर्पित पखवाड़ा है। पोषण पखवाड़ा 8 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल 2025 तक जारी रहेगा।

पोषण पखवाड़ा 2025 के दौरान गर्भवती और स्तरनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण के महत्व पर जोर देना, स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देना और बच्चों में कुपोषण को दूर करना, आयरन की कमी और इसके परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, युवा बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देने संबंधी बिन्दुओं पर मुख्य फोकस रहेगा। कार्यक्रम में एक छोटी बच्ची के पहले जन्मदिन के उपलक्ष्य में ''बेटी जन्मोत्सव'' का उत्सव मनाया। इसके अतिरिक्त षिषुओं को ठोस आहार की शुरूआत का जष्न मनाने वाला एक पारंपरिक समारोह अन्नप्राषन भी मनाया गया। कार्यक्रम में अविनेष कुमार सीडीपीओ राजाखेड़ा, मांगीलाल आर्य, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय, महिला सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, हैल्पर और साथिन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों की रचनात्मकता को पोषण पखवाड़ा और पौष्टिक व्यंजनों के विषयों पर बनाई गई जीवंत रंगोली डिजाइनों और सूचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्षित किया गया।

पुरानी छावनी में अवैध कॉलोनी पर की गई कार्रवाई

ग्वालियर। पुरानी छावनी क्षेत्र में नगर निगम से बिना विकास अनुज्ञा प्राप्त कर अवैध रुप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी, जिसे आज मंगलवार को निगम के अमले द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से हटवाया गया तथा कॉलोनाइजर को चेतावनी दी गई। भवन अधिकारी श्री राजीव सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पुरानी छावनी के सर्वे क्रमांक 243 पर श्री हरनाम सिंह, जगबीर सिंह आदि के द्वारा 0.5850 हेक्टेयर भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी विकास कार्य किया जा रहा था। जिसकी नगर निगम द्वारा कोई भी विकास अनुज्ञा प्राप्त नहीं की गई थी। उक्त कालोनी मे किए गए अवैध सड़क ,विद्युत पोल वाटर लाइनआदि कार्य के विरुद्ध मौके पर कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई में तहसीलदार श्री दीपेश धाकड़, भवन अधिकारी श्री राजीव सोनी, भवन निरीक्षक श्री अजय शर्मा क्षेत्रीय कार्यालय का स्टाफ मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल निगम पटवारी श्री अनूप परमार एवं पुरानी छावनी थाना पुलिस बल उपस्थित था।

चंबल की धरा पर उजाले की प्रभातः धौलपुर ने मनाया अपना स्थापना पर्व

44वें स्थापना दिवस पर धौलपुर ने किया अभिवादन, प्रभात फेरी से शुरू हुआ जश्न

सपनों की धूल अब सुनहरी रोशनी, धौलपुर की प्रभात फेरी ने दिया नया संदेश

धौलपुर ब्यूरो। धौलपुर ने सोमवार को अपने 44वें स्थापना दिवस को गौरव, उत्साह और विकास की झलकियों के साथ मनाया। जहां एक ओर अतीत की गूंजों में बीहड़ और बागियों की कहानियाँ दबी हैं, वहीं अब वर्तमान में बाघों की दहाड़, बॉलीवुड की रुचि और नीति आयोग से मिले सम्मानों ने इस ज़िले को राजस्थान के सबसे तेज़ी से उभरते जिलों में शुमार कर दिया है। सुबह 7:30 बजे प्रभात फेरी की शुरुआत से दिन का शुभारंभ हुआ। इस प्रभात यात्रा में सरकारी अधिकारियों से लेकर छात्र-छात्राओं, एनएसएस-एनसीसी, स्काउट-गाइड, पुलिस और आम नागरिकों ने कदम से कदम मिलाए। स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त धौलपुर के संदेश के साथ निकली यह फेरी जिले के बदलते मानस की प्रतिनिधि बन गई। कचहरी प्रांगण से कलेक्ट्रेट तक निकाली गई प्रभात फेरी केवल एक परंपरागत आयोजन नहीं, बल्कि जिले के विकास पथ पर चलने की एक प्रतीकात्मक यात्रा थी। इस प्रभात फेरी को अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना और उपखंड अधिकारी साधना शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गगनचुंबी नारों, देशभक्ति गीतों और सजे-धजे प्लकार्ड के साथ निकली यह प्रभात फेरी जनभागीदारी का जीवंत दृश्य बन गई। इसमें आम नागरिकों से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों, विद्यार्थियों, कैडेट्स, होमगार्ड, सफाई कर्मियों और अन्य समाजसेवकों ने उत्साह से भाग लिया। बीएड कॉलेज, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड, एएनएम व जीएनएम प्रशिक्षणार्थियों ने रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों और रचनात्मक नारों से वातावरण को जीवंत कर दिया। प्रभात फेरी के माध्यम से स्वच्छता अभियान, सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध और पर्यावरण संरक्षण जैसे संदेशों को आमजन तक पहुँचाया गया। सड़कें गुलज़ार थीं, मनों में उत्साह और आँखों में उम्मीदें थीं।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

धौलपुर ब्यूरो। मौजूदा एवं गत वित्तीय वर्ष की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति, हीट वेब के प्रति विभिन्न विभागों की तैयारियों के संबंध में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना ने समीक्षा बैठक ली। गर्मी के मौसम के मद्देनजर जिले वासियों को मौसमी बीमारियों और पेयजल की समस्या से प्रभावी रूप से निपटने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को सजगता और संवेदनशीलता के साथ अपने कार्यों को करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में बजट घोषणाओं के तहत विभिन्न कार्यो की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने बैठक में ई-फाईल निष्पादन की विस्तृत समीक्षा कर सभी विभागों के अधिकारियों को औसत फाईल निस्तारण समय में कमी लाने हेतु निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर राजकीय कार्मिकों के पंजीकरण की समीक्षा कर सभी विभागों को शत-प्रतिशत कार्मिकों के पंजीकरण कराए जाने एवं ट्रेनिंग मॉड्यूल में नामांकन कर प्रशिक्षण लिए जाने हेतु निर्देश दिए।

गर्मी के मौसम से प्रभावी रणनीति के साथ निपटने-

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जिला अस्पताल में आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को पेयजल पर्याप्त मात्रा में और उचित वितरण से प्राप्त हो इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में उपखण्ड अधिकारी धौलपुर साधना शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजनांतर्गत निशुल्क सामूहिक विवाह 30 अप्रैल 2025 को, 17 अप्रैल तक जमा होंगे आवेदन

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजनान्तर्गत दिनांक 30 अप्रैल 2025 अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में निःशुल्क सामूहिक विवाह एवं निकाह का आयोजन किया जा रहा है। जिसके आवेदन 17 अप्रैल 2025 तक जमा किए जा सकते हैं।

उपायुक्त श्री सत्यपाल सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजनान्तर्गत दिनांक 30 अप्रैल 2025 अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में निःशुल्क सामूहिक विवाह एवं निकाह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त सम्मेलन में दस्तावेज के साथ गरीब कन्याओं की शादी हेतु कन्या का पंजीयन करा सकते है एवं अपने निकटस्थ क्षेत्रीय कार्यालय, जनमित्र केन्द्र, नगर निगम ग्वालियर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर योजना में पंजीयन कर सकते हैं। अतः आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर योजनान्तर्गत लाभ राशि रूपये 49,000 प्रति कन्या लाभ उठावें। योजनान्तर्गत पंजीयन हेतु सिटी सेन्टर स्थित नगर निगम मुख्यालय ग्वालियर के कक्ष क्रमांक 06 (जनकल्याण विभाग) में भी आवेदन करने की व्यवस्था की गई है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह कराने पर यह दस्तावेज लगेंगें। जिसमें वर एवं कन्या के 03 फोटो, वर एवं कन्या के आधार कार्ड की छायाप्रति, कन्या का बैंक खाता की छायाप्रति, कन्या का मूलनिवासी प्रमाण-पत्र, वर एवं कन्या का समग्र परिवार आई डी. (ई-के वाय.सी. सहित)।, जन्मतिथि संबंधी दस्तावेज (8वी एवं 10वी कक्षा की अंक सूची या मेडिकल प्रमाण पत्र), वर एवं कन्या के वोटर कार्ड या पैन कार्ड की छायाप्रति। साथ ही कन्या म.प्र. की मूल निवासी हो, कन्या की न्यूनतम उम्र 18 तथा वर की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष हो तभी आवेदन मान्य किए जाएगें।

हिगौना खुर्द में दलित युवक की हत्या को लेकर परिजन बैठे पीएम हाउस पर धरने पर

प्रशासन ने मांगे पूरी करने का दिया आश्वासन, मांगे पूरी नही होने पर होगा आंदोलन

मुरैना,कांस। गत दिवस डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर डीजे बजाने को लेकर सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम हिगौनाखुर्द में दबंगो एवं दलितो के बीच डीजे को लेकर कहा सुनी हो गई इसी कहासुन ने बडा रूप ले लिया और गॉव के गुर्जर समाज के लोगो ने छत पर से ताडवतोड गोलिया चलाई जिसमें संजय पिप्पल सैमिल उम्र 20 साल निवासी जगमन का पुरा की मौके पर ही मौत हो गई वही रानू दोनेरिया गोली से गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उचित उपचार के लिए ग्वालियर रैफर किया गया है। जहॉ उसका उपचार चल रहा है। 14 अप्रेल को रात्रि में हुई इस घटना के बाद पूरा गॉव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। मृतक को उसके परिजन पुलिस को उठाने नही दे रहे थे, पुलिस के आला अधिकारियो की काफी समझाइस के बाद रात में पुलिस शव को मुरैना लाकर पीएम हाउस में रखवा दिया गया था, तथा आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज कर उनके ठिकानो पर दविश देकर कुछ आरोपियो को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुबह पोस्ट मार्डम हाउस में बडी संख्या में जाटव समाज सहित अन्य समाजो के लोग एकत्रित हो गए और परिजन एवं समाज के लोग पोस्ट मार्डम हाउस पर ही पांच सूत्रीय मांगो को लेकर धरने पर बैठ गए। उनकी मांगे थी कि पीडित परिवार को शस्त्र लायसेन्स दिए जाए, आरोपियो के शस्त्र लायसेन्स निरस्त किए जाए, पीडित परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाए, आरोपियो के मकान तोडे जाए तथा पीडित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। पोस्ट मार्डम हाउस पर धरने पर बैठे लोगो के बीच अपर कलेक्टर श्री सी.बी प्रसाद पहॅुचे और उनकी मांगो को लेकर कहा कि प्रशासन द्धारा पीडित परिवार को शस्त्र लायसेन्स स्वीकृत कर दिए जायेगें, आर्थिक सहायता के लिए कलेक्टर के माध्यम से शासन को पांच लाख रूपये का भेजा जायेगा, आरोपियो के शस्त्र लायसेन्स निरस्त किए जायेगें तथा उनके मकानो को जमीदोज करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के हिसाब से कार्यवाही की जायेगी।

इस मौके पर बडी संख्या में ग्रामीण एवं परिजन तथा राजनैतिक लोग शामिल थे, इस मौके पर जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार,महापौर शारदा सोलंकी, बसपा अध्यक्ष दीपेन्द्र बौद्ध, कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा, भीम आर्मी मनोज सैमिल, कुलदीप सिकरवार उपस्थित थे। जिन्होने कहा कि एक माह के भीतर प्रशासन द्धारा मांगे पूरी नही करने पर धरना आंदोलन होगा।

पीड़ित परिवार को जनप्रतिनिधियों ने की एक-एक लाख देने की घोषणा

बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर जी जयंती के दौरान हुई घटना में मृत परिवार के साथ पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे पूर्व लोकसभा प्रत्याशी पूर्व विधायक श्री सत्यपाल सिंह सिकरवार ने कलेक्टर एवं प्रशासन से मांग की है कि मृतक के परिजनों को परिवार पालन के लिए उचित राशि दी जाए इस अवसर श्री सत्यपाल सिंह सिकरवार ने मानवता की पहल करते हुए अपनी तरफ से एक लाख रुपए की घोषणा की फिर बाद में श्री कुलदीप सिंह सिकरवार ने भी एक लाख रुपए की घोषणा की और जौरा विधायक श्री पंकज उपाध्याय ने भी एक लाख रुपए की घोषणा की वहीं फिर मुरैना महापौर ने भी एक लाख रुपए की घोषणा इस अवसर बीस बीस हजार रुपए की घोषणा अन्य लोगों ने की इन रुपयों से परिवार के सदस्य की कमी पूरी नहीं हो सकती है लेकिन परिवार का लालन-पालन सरल हो सकता है इस अवसर मुरैना प्रशासन से आगृह किया है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

जल गंगा अभियान के तहत साफ सफाई का कार्य किया

मुरैना,कांस। जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 4880 मी. पर जंगल सफाई का कार्य किया गया। जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीन जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 1 सबलगढ़ के विभागीय मैदानी कर्मचारियों के द्वारा 15 अप्रैल 2025 को जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 4880 मी. पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में उनके साथ विभागीय श्रमिक एवं गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया, सभी ने एक जुट होकर श्रमदान किया।

आपदा प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों को कलेक्टर ने सौंपे दायित्व

मुरैना,कांस। मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन की अध्यक्षता में राज्यपालिक समिति की बैठक में लिये गये निर्णय, मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग के आदेशानुसार कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने मुरैना जिले की समस्त तहसीलों में आईआरटी का गठन किया है। इसके तहत प्राकृतिक एवं मानव जनहित आपदाओं के दौरान विभिन्न विभागों, एजेन्सियों के संसाधनों का प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत राहत खोज एवं बचाव कार्यो संपन्न करने हेतु जिला एवं तहसील स्तर पर आईआरटी का गठन कर दायित्वों का निर्धारण किया है। जिनमें कलेक्टर स्वयं सैना, वायु, सहायता तथा राष्टीय एजेन्सियों से सहायता प्राप्त करने हेतु राज्य सरकार के साथ समन्वय, पुलिस अधीक्षक को सभी सेक्सशन प्रमुखों से समन्वय एवं आगामी ऑपरेशन हेतु संसाधनों की आवश्यकता से अवगत कराना। सीईओ जिला पंचायत को घटना प्रबंधन, तात्कालिक उद्देश्यों का निर्धारण, अपर कलेक्टर को इंसिडेंट कमांडर की अनुपस्थिति में कमांडर के कार्यो को संपादित करना, सभी विभागों से कॉर्डिनेशन रखना, बैठकों का संचालन, सुश्री मेघा तिवारी को एयर रेस्क्यू हेतु एजेंसियों से समन्वय, सहायक संचालक जनसम्पर्क को मीडिया में प्रकाशित न्यूज आदि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा और कानून व्यवस्था, प्लाटून कमांडर को घटना स्थल के समीप संसाधनों को हमेशा तैयारी की स्थिति में रखना, जिला कमांडेड होमगार्ड को राहत एवं बचाव कार्यो में संलग्न कार्य दलों को नेतृत्व एवं मार्गदर्शन देना, जिला चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य जैविक संबंधित आपदाओं के दौरान आईसी, ओएससी के समन्वय तथा राहत कार्यो एवं संपर्क करना, स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम को राहत एवं बचाव संबंधी समस्त दायित्व, उप संचालक पशु चिकित्सा को राहत एवं बचाव कार्य, जिला वन अधिकारी को विभागीय राहत एवं बचाव कार्य, जिला परिवहन अधिकारी को परिवहन संबंधी दायित्व, आयुक्त नगर निगम को इंसीडेंट कमांडर के निर्देश एवं ऑपरेशन सेक्सशन प्रमुख के समन्वय में यूनिट को दिशा-निर्देश देना, भू-अभिलेख अधीक्षक को मौसम तथा आपदा की जानकारी अपडेट, जिला योजना अधिकारी को प्रलेखन एवं रिकॉर्ड रखना, जिला खाद्य अधिकारी को इंसीडेंट कमांडर के निर्देश पर ऑपरेशन सेक्सशन के अवसर पर राहत कर्मियों को भोजन, कैम्प, बिजली, शौचालय सुविधा उपलब्ध कराना, डीएसपी मुख्यालय को संचार सुविधाओं को स्थापित करना, सिविल सर्जन को राहत कर्मियों एवं घटना प्रबंधन में लगे कार्य दल को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी को हेलीपेड, राहत कैम्प आदि व्यवस्था के दायित्व सौंपे है। इसी प्रकार संबंधित एसडीएम भी अपने-अपने क्षेत्र में अपनी टीम के साथ व्यवस्थायें बनायेंगे।

जल है तो कल है। जल ही जीवन है, जल के महत्व को समझें : सतीश सिंह तोमर

पोरसा। जल है तो कल है। जलही जीवन है। जब को संरक्षित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। आज हम जल के महत्व को समझें तथा संरक्षित करें, तो यही वावा भीमराव अंबेडकर को होगी सच्ची श्रद्धांजलि। यह बात पूनम समाज सेवा समिति पोरसा व भूमिजा महिला मंडल तथा श्री 108 विजय रामदास शिक्षा समिति द्वारा आयोजित शा. सी.एम, राइज उ0मा0वि0 पारसा के प्रांगण में जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर सतीष सिंह तोमर जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् ने कही। वे मुख्य अतिथि की आसंदी से वोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संदीप उपाध्याय नगर मण्डल अध्यक्ष भाजपा ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में हरेंद्र सिंह तोमर जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी, राधाशरण पुरोहित ब्लाक समन्वयक, हरीओम गुप्ता समाज सेवी, बीरेंद्र सिंह फौजी, राधाकृष्ण लाहरिया, मिथिलेश तोमर,तथा वक्ता के रुप में विजय पाल सिंह रहे। सर्व प्रथम वावा भीमराव अंबेडकरजी के छाया चित्र पर पुष्प पहिनाकर दीप प्रज्वलित किया तथा वक्ताओं ने अंबेडकर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वावा साहब संविधान के रचनाकार थे तथा उन्होंने हम सबको शिक्षित होने की प्रेरणा दी। आज जल को संरक्षित करना ही हमारी उनके प्रति सच्ची श्रंद्धाजलि होगी।

कार्यक्रम में कृष्ण चन्द्र दीक्षित, संतोष शर्मा, मनीष शिवहरे वैशाली शर्मा , संगीता तोमर आशीष अग्रवाल, शिवाकर सिंह, शत्रुघन सिंह तोमर, आदि उपस्तिथि रहे।

खबर का हुआ असर

एसडीएम श्री माहौर को सिविल अस्पताल में मिलीं अव्यवस्था

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। एसडीएम श्री अरविंद माहौर द्वारा मंगलवार को सुबह सिविल अस्पताल सबलगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई डॉक्टर्स ड्यूटी पर उपस्थित नहीं पाए गए। इसके अलावा गन्दगी देखने को मिली। इस सम्बंध में नोटिस देकर आगे की कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को चम्बलसुर्खी ने सिविलअस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था को लेकर प्रमुखरूप से खबर का प्रकाशन किया था।एसडीएम श्री माहौर ने खबर को गम्भीरता से लेकर मंगलवार को अस्पताल का निरीक्षण किया।खबर के अनुसार उन्होंने कमरे में बन्द तीन करोड़ की लागत से बनाए गए आईसीयू का ताला खुलवाया व उसे चालू करने के निर्देश दिए।एसडीएम श्री माहौर ने

तीन करोड़ का आईसीयू ताले में बन्द,उपकरण भी गायब

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। इसे शायद सबलगढ़ क्षेत्र की जनता का दुर्भाग्य ही कहा जाए कि आजादी के बाद से आजतक जो स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए थीं,वह नहीं मिलीं।जब सबलगढ़ के सामुदायिकस्वास्थ्य केंद्र को सिविलअस्पताल का दर्जा दिया गया तब उम्मीद थी की स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार होगा किंतु उम्मीद के परे कोई सुविधा नहीं मिली।मरीज व प्रसुताओं को अब भी मुरैना रैफर किया जाता है।तीन करोड़ की लागत से आईसीयू बनाया गया किंतु वह भी चालू नहीं हुआ।सूत्रों की मानें तो आईसीयू के कीमती उपकरण भी गायब हो रहे है।ओपीडी में मात्र तीन डॉक्टर सेवाएं देते है,शेष डॉक्टरों पर अधिकारियों का कोई अंकुश नहीं है।ऑपरेशन थियेटर में पर्याप्त उपकरण नहीं है,एक ही नीडिल से अनेक मरीजों को टांके लगाए जाते है जिससे इंफेक्शन का खतरा बना हुआ है।एक्सरे फिल्मों का अधिकांश अभाव बना रहता है।

विशेषज्ञ डॉक्टर नही हुए नियुक्त

उल्लेखनीय है कि सबलगढ़ का सिविलअस्पताल सबलगढ़ तहसील के साथ विजयपुर बीरपुर व राजस्थान की मण्डरायल तहसील के नागरिकों की आशा का केंद्र है।यहाँ से मुरैना जिलाअस्पताल 70 किलोमीटर है।इस अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है।हड्डी रोग व दंत रोग के विशेषज्ञ की नियुक्ति जरूरी है।

चेतावनी दी कि अस्पताल की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें।लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने मॉडल स्कूल पूंछरी सबलगढ़ का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 7 शिक्षक अनुपस्थित थे। 4 केजुअल लीव पर थे। स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति नगण्य थी। लापरवाही और अनुशासनहीनता के लिए सम्बंधित को नोटिस जारी किये जा रहें हैं।

शासकीय पौधशाला मुरैना पर फलबहार की नीलामी 25 अप्रैल को

मुरैना,कांस। शासकीय पौधशाला के उद्यान अधीक्षक ने बताया है कि शासकीय पौधशाला मुरैना पर आम फलबहार की नीलामी वर्ष 2025-26 हेतु रोपणी पर 25 अप्रैल, 2025 को अमानती राशि सहित दोपहर 02 बजे नियत की गई है। उद्यान अधीक्षक ने बताया कि संबंधित नीलामी क्रेता रोपणी में आम फलबहार का अवलोकन कर सकते है। नीलामी की शर्ते शासकीय पौधशाला कार्यालय एवं सहायक संचालक उद्यान मुरैना में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है। उद्यान अधीक्षक ने बताया कि नीलामी में पूर्व बोलीकर्ता को अमानती राशि जमा करनी होगी। बोली 100 के गुणांको में लगानी होगी, सफल सफल बोलीकर्ता को एक मुश्त राशि उसी समय जमा करनी होगी। सफल बोलीकर्ता नर्सरी पर पालतू पशु आदि नहीं रखेगा। असफल नीलामी क्रेताओं को अमानती राशि उसी दिन वापस कर दी जायेगी। क्रेता द्वारा फल तोड़ते समय किसी अन्य फल पौध एवं अन्य सामग्री का नुकसान होता है तो क्रेता को भरपाई करनी होगी। नीलामी मान्य एवं अमान्य करने का पूर्ण अधिकार नीलामी के लिये गठित समिति का होगा। बोली के बाद प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान के लिये यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। आम फलबहार का अवलोकन कार्यालयीन समय में किया जा सकता है। बोली लगने के बाद फलबहार की रक्षा करने की जबावदारी क्रेता की होगी। आवश्यकतानुसार प्रादर्श हेतु आम फल उद्यान विकास अधिकारी शासकीय पौधशाला मुरैना विकासखण्ड को प्रदाय करने होंगे। फल तोड़ने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 होगी।

वार्ड 39 में स्वीकृति के विपरीत निर्माण को निगम अमले ने हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के अमले द्वारा वार्ड 39 स्थित बाई साहब की परेड में बन रही मल्टी में स्वीकृति के विपरीत किए गए निर्माण को हटाने की कार्रवई की गई। भवन अधिकारी श्री पवन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड 39 बाई साहब की परेड पाटणकर का बड़ा में स्वीकृति की विपरीत किए गए अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई है। ज्ञात हो के वार्ड क्रमांक 39 में निर्माण अधीन भवन की दीवार गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया था। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देश पर नगर निगम द्वारा आज मंगलवार को स्वीकृति के विपरीत किए गए निर्माण कार्य को हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई में थाना जनक गंज का स्टाफ, मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौहान, जोनल अधिकारी श्री अजय शाक्यवार एवं भवन अधिकारी श्री पवन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

टीएल बैठक होगी 16 अप्रैल को

मुरैना,कांस। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में टीएल बैठक 16 अप्रैल, 2025 को प्रातः 10:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त अधिकारी समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

अंबेडकर पार्क के लिये स्वः डॉ. धर्मेन्द्र सिह ख़रे (आयुष मेडिकल अधिकारी) की स्मृति में खरे परिवार ने वाटर कूलर भेट किया

सबलगढ़। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी की 134 वी जयंती के अवसर पर (पूर्व बी.आर.सी.सी.) एम.एल. खरे अंबेडकर कॉलोनी निवासी सबलगढ़ ने स्व. डॉ. धर्मेन्द्र सिह ख़रे (आयुष मेडिकल अधिकारी) की स्मर्ती मे सार्वजनिक स्थान अंबेडकर पार्क सबलगढ़ में आम जन को शीतल जल पीने के लिए एक वाटर कूलर लगवाया इस अवसर पर खरे परिवार के अलावा अजाक्स के दिनेश जाटव, रणबीर गोयल, संजीव केमोर, दीपक जाटव, मनोज खरे आदि के अलावा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

बाबा साहेब की तस्वीरे भेंट कर मनाई 134 वी अम्बेडकर जयंती

जौरा। प्रांताध्यक्ष अजाक्स जे.एन.कांसोटिया जी के मार्गदर्शन मे अजाक्स के आजीवन सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रणबीर गोयल ने 14 अप्रैल बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी की 134 वी जयंती के अवसर पर जोरा के वार्ड क्रमांक 3 रेमजा पूरा, पहाड़गाड़ के अनुसुचित जाति बाहुल्य मोहल्ला, मे घर - घर एवं सबलगढ़ के अंबेडकर नगर पार्क,मुरैना के पीपरी पुरा, गडोरा का पूरा में सामूहिक रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर वितरित करबाकर अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएँ दी साथ में संदेश भी दिया कि भले एक रोटी कम खाना पड़े लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाये, बच्चो को मोबाइल से दूर रखे एवं शिक्षा के साथ संस्कार भी दे, बच्चों के साथ समय व्यतीत करे, इस पुनीत कार्य मे जोरा के सोनू मौर्य, अमित मौर्य ने एवं पहाडगढ के संत रविदास युवा मंडल के सदस्यो एवं कमल किशोर सरल ने सबलगढ़ में संजीव केमोर, दीपक जाटव, मुरैना के पीपरी पुरा में इंद्रेश कुमार दोनेरिया, गडोरा का पुरा में शेरसिंह ने सहयोग प्रदान कर सराहनिय कार्य किया जिसके लिए रणबीर गोयल ने सभी का आभार प्रकट किया साथ में अजाक्स के समस्त साथियों से अपील कि अजाक्स द्वारा चलाई जा रही हर घर अम्बेडकर मुहीम का हिस्सा बन कम से कम 5 घरो मे बाबा साहब की तस्वीर के साथ उनके विचारो को अवस्य पहुचाए।

जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों का अधिकारी त्वरित निराकरण करें - जिला सीईओ

15 अप्रैल को जनसुनवाई में 77 आवेदन प्राप्त हुये

मुरैना,कांस। शासन के निर्देशानुसार जनसुनवाई प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 से दोपहर 01 बजे तक करने के निर्देश हैं। निर्देशों के तहत कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव ने 15 अप्रैल को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान कुल 77 आवेदन प्राप्त हुये, उनमें से 1 आवेदन ऐसा पाया, जिसका निराकरण टीएल बैठक में संभव था। उसे उत्तरा पोर्टल पर ई-गवर्नेस द्वारा अपलोड किया गया। जनसुनवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, नायब तहसीलदार सुश्री दीप्ती खरे सहित समस्त विभागों के जिलाधिकारी एवं अधीनस्थ कर्मचारी उपस्थित थे। जनसुनवाई के दौरान सबलगढ़ विकासखंड के ग्राम बेरई गिर्द निवासी श्रीमती प्रीति ने आवदेन प्रस्तुत किया कि मेरे पति स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र जाटव मजदूरी कार्य के लिये चेन्नई में गये हुये थे, वहां एक्सीडेंट होने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। मेरे पास तीन बच्चे हैं। उनका पालन-पोषण करना मेरे लिये कठिन हो गया है। पारिवारिक स्थिति खराब है। मेरे ससुर साहब पर मात्र 1 बीघा भूमि है, जिसके सहारे बच्चों का पालन पोषण मेरे लिये कठिन बनता जा रहा है। जिला सीईओ श्री कमलेश कुमार भार्गव ने आवेदन पर विचार किया और तत्काल जनपद सीईओ सबलगढ़ को निर्देश दिये कि श्रीमती प्रीति का बीपीएल कार्ड बनवायें एवं विधवा पेंशन और संबल योजना में नियमानुसार कार्यवाही करें। इसके अलावा उनके तीनों बच्चों को पढ़ने के लिये स्कूल में निःशुल्क दाखिला कराने के निर्देश दिये। इसके अलावा जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, नगर निगम, पेयजल, राशन, बीपीएल, अनुग्रह सहायता सहित अन्य संचालित कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों ने भी जनसुनवाई में आवेदन दिये। जनसुनवाई के दौरान जिला सीईओ ने सभी को बारी-बारी से सुना और उनकी समस्याओं का समाधान त्वरित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

बागी समर्पण से चंबल में हुई संवेधानिक मूल्यों की रक्षा : जयसिंह जादौन

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

बीरपुर। महात्मा गांधी सेवाश्रम जौरा चंबल घाटी में वागी समर्पण दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन शान्ति एवम अहिंसा पर हुआ। जिसमें गांधीवादी पी व्ही राजगोपालन जलपुरुष राजेन्द्र सिंह तरुण भारत संघ राजस्थान, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा गौतम सागर राड़ा पूर्व मंत्री झारखंड,दशरथ कुमार, पंकज उपाध्याय विधायक जोरा अखिल महेश्वरी अध्यक्ष नगर पालिका वरिस्ठ पत्रकार जयंत तोमर व 12 राज्यों से आये राष्टीय युवा योजना के प्रतिनिधियो सहित चम्बल घाटी के प्रबुद्धजनों सहित आत्मसमर्पण कारी वागी भाइयों ने भाग लिया तथा सभी अतिथियों ने इस अवसर पर प्रेरक उद्बोधन दिया और आज के दौर में कैसे आगे बढ़ा जाए उस पर मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर श्योपुर के वरिष्ठ समाजसेवी जयसिंह जादौन ने कहा चंबल घाटी में हुआ बागियों का आत्मसमर्पण हिंसा से अहिंसा की और मुडने तथा गांधी जी के आदर्शों को स्वीकार कर संत बिनोवा भावे, लोकनायक जयप्रकाश नारायण व मानवता के अग्रदूत डॉ एस एन सुब्बाराव जी की प्रेरणा से अपराधी जीवन का त्याग एक ऐसा उदाहरण है जो विश्व में दूसरा नहीं मिलता है।एक समय था जब चंबल घाटी में शाम के बाद सड़कें सूनी हो जाती थी। बागियों के भय से लोगों का सामान्य जीवन जीना कठिन हो गया था। संविधान द्वारा प्रदत्त शांति से जीवन यापन करने,का अधिकार,छिन गया था। गरिमा के साथ जीना स्वप्न हो गया था।भय के इस माहौल का खात्मा बागियों के इस आत्मसमर्पण से संभव हुआ यह भी एक संयोग है कि यह समर्पण उस दिन हुआ जो संविधान के निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस था जिन्होंने संविधान के माध्यम से सांवेधानिक मूल्यों व मौलिक अधिकारों का तोहफा दिया परन्तु बागी समस्या के दौर में ये अधिकार सपना हो गये। आज जब हम उस आत्मसमर्पण को याद करने हम एकत्रित हुए हैं तब हमें यह विचार करना है कि किस तरह खतरों से खेलते हुए अपनी जान की परवाह न कर बागियों को अहिंसा का मार्ग दिखाया गया तथा संविधान द्वारा प्रदत्त मूल्यों की रक्षा की गई इस अवसर पर हमें भी यह संकल्प लेना है कि जहां भी सांवेधानिक मूल्यों कि हनन हो, मौलिक अधिकारों पर चोट की जाये तब हम चुप नहीं रहें स्वयं तो इसमें अग्रणी रहे ही दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें ताकि समाज में न्याय,समानता,बंधुता का भाव बढ़े।सबको गरिमा पूर्ण जीवन का अधिकार मिले। यह आत्म समर्पण को स्मरण करने का दिवस तो है ही साथ ही उन मूल्यों की पुनर्स्थापना का अवसर भी है जो हमें हमारे मार्गदर्शक डॉ एस एन सुब्बाराव जी व अन्य गांधीवादी विचारकों ने हमें दिए हैं। इस कार्यक्रम में श्योपुर से जयसिंह जादौन रामदत तोमर श्रीमती अनामिका पाराशर दौलत राम गोड़ राधावल्लभ जागिड़ वीरमदेव बैरवा हर्षवर्धन सिंह ओम नायक ने भाग लिया।

चम्बल भवन में जनसुनवाई में 05 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

मुरैना,कांस। चम्बल भवन मुरैना में ग्वालियर-चम्बल संभाग के कमिश्नर श्री मनोज खत्री के निर्देशन में संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री राजेन्द्र सिंह ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान 05 आवेदकों की समस्याओं को सुना। ये शिकायतें विशेषकर राजस्व, भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, अमिक्रमण से संबंधित पाई गईं थीं।

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा। वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करवा दिया है। रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा। सरकार की ओर से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर तलाशने के लिए औद्योगिक निवेश के लिए संभागीय स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगपतियों के साथ अनुबंध किए गये हैं। भोपाल में 9वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गयी। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदेश में उद्योगों को बढावा देने और रोजगार के अवसर तलाशने के कार्य किए गए हैं। प्रदेश में रोजगारमूलक उद्यम स्थापित करने वाले उद्योगपतियों को जमीन आवंटन, विद्युत बिल में छूट देते हुए 70 प्रतिशत तक सरकार द्वारा सबसिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के हित में करेंगे काम, और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा। वस्त्र उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए प्रति माह अनुग्रह राशि देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर भाई-बहन काम की तलाश में गुजरात राज्य की सूरत स्थित हीरा फैक्ट्री में कार्य पर जाते हैं, इसके लिए अब अलीराजपुर में ही हीरा फैक्ट्री के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

गंभीर बीमारी के समय गरीबों/मजदूरों के उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से अन्यत्र भेजने की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। गरीबों के उपचार के लिये प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना में निजी चिकित्सालयों में भी उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार और झाबुआ जिले में भी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, जिससे वनवासी जिलों में पढ़ाई एवं उपचार की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो सके।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बीएसएनएल के 27 मुख्य महाप्रबंधकों और वरिष्ठ अधिकारियों से की मुलाकात, बीएसएनएल की विकास यात्रा के सह-चालक बनने का किया आग्रह

संचार भवन में मंत्री सिंधिया ने बैठक आयोजित की, बीएसएनएल टीम को हर महीने बैठक कर सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं और चुनौतियों पर चर्चा करने का निर्देश

दिल्ली/ग्वालियर,नसं.। संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज बीएसएनएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि, वरिष्ठ अधिकारियों और बीएसएनएल के सभी 27 सर्किलों के मुख्य महाप्रबंधकों के साथ बैठक की।

बीएसएनएल की विकास यात्रा के सह-चालक बनें: सिंधिया

बीएसएनएल टीम को संबोधित करते हुए मंत्री सिंधिया ने सभी सदस्यों से बीएसएनएल की विकास यात्रा के सह-चालक बनने का आह्वान किया और कार्यों के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता पर बल दिया ताकि संस्था के प्रत्येक कर्मचारी को सशक्त किया जा सके और उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने प्रत्येक सीजीएम से अपने कनिष्ठों की क्षमताओं के निर्माण के लिए कार्य करने और उनमें जोश भरने की अपील की।

आपने बीएसएनएल को लाभ में लाया, इस गति को बनाए रखना है : सिंधिया

मंत्री सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल ने 18 वर्षों में पहली बार शुद्ध लाभ कमाया है और यह उपलब्धि बीएसएनएल परिवार के प्रत्येक सदस्य की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने टीम से आग्रह किया कि इस गति को बनाए रखें और दीर्घकालिक सफलता के लिए ग्राहक जोड़ने और बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करें। हर महीने होगी बीएसएनएल टीम की बैठक, हर सर्कल बनाएगा 'ग्राहक वृद्धि योजना' और 'वित्त वर्ष 2025-26 के लिए व्यवसाय योजना' मंत्री सिंधिया ने टीम को हर महीने बैठक करने और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं तथा क्षेत्रीय चुनौतियों पर चर्चा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की चुनौतियों के लिए मिलकर समाधान बनाए जाएं। उन्होंने हर सर्कल से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक ग्राहक वृद्धि योजना और एक व्यवसाय योजना तैयार करने को कहा है। वरिष्ठ अधिकारियों और सीजीएम ने साझा किया कि वर्षों बाद किसी मंत्री ने उनसे व्यक्तिगत स्तर पर बैठक की है। कई अधिकारियों ने कहा कि यह मासिक बैठक उनके लिए एक ऐसा मंच बन जाएगी जहाँ वे अपने साथियों के साथ खुले विचारों का आदान-प्रदान और

16 अप्रैल को मंडला से होगी लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 16 अप्रैल को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा से लाड़ली बहनों के खाते में राशि का अंतरित की जायेगी। उन्होंने कहा कि राशि अंतरण की तारीख में सदैव एकरूपता लाने के लिए अब राज्य सरकार द्वारा प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास यह राशि लाड़ली बहनों के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल (बुधवार) को मंडला जिले से प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाडली बहनाओं के खाते में 1552.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में 13 अप्रैल को राज्य सरकार तथा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य सहकारिता अनुबंध हुआ।

इससे प्रदेश के पशुपालकों को सीधा लाभ होगा। पशुपालकों द्वारा उत्पादित दूध एवं इससे जुड़े अन्य उत्पाद अब सीधे एनडीडीबी के माध्यम से खरीदे जायेंगे। इससे प्रदेश के पशुपालकों की माली हालत तेजी से सुधरेगी और वे आत्मनिर्भर हो सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कुल दुग्ध उत्पादन की तुलना में दुग्ध संकलन बड़े पैमाने पर बढ़ाया जाये। साथ ही प्रदेश के शेष्ज्ञ आधे ग्रामों से दूध का संकलन करने की कार्रवाई में भी गति लायें। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा 5 रुपए प्रति लीटर बोनस के रूप में प्रोत्साहन राशि देने सहित "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" का प्रचार-प्रसार एवं मप्र के दूध की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक मार्केटिंग एंव ब्रांडिंग भी की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एनडीबीबी द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति के लिए कॉम्प्रिहेंसिव प्लान म.प्र. सरकार के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

पेंशन अदालत

वैगन मरम्मत कारखाना, झाँसी उत्तर मध्य रेल, द्वारा दिनांक 16 जून 2025 को पेंशन अदालत का आयोजन ।

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार वैगन मरम्मत कारखाना झाँसी द्वारा दिनांक 16.06.2025 (सोमवार) को समय 11.00 बजे मुख्य कारखाना प्रबन्धक कार्यालय के मीटिंग हॉल में पेंशन अदालत आयोजित की जायेगी। सेवानिवृत्त कर्मचारी / मृतक कर्मचारियो के आश्रित, यदि उन्हे सेवानिवृत्ति देय या पेंशन से सम्बन्धित कोई शिकायत है, तो अपना आवेदन विहित रूप में दिनांक 30.04.2025 तक कार्यालय में रखी गई पेटिका में डाले या निम्नलिखित पते पर डाक द्वारा भेज सकते है।

पता किस पर आवेदन भेजना है।	आयोजन- स्थल
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, वैगन मरम्मत कारखाना, उत्तर मध्य रेल, झाँसी।	मीटिंग हॉल, मुख्य कारखाना प्रबन्धक, कार्यालय ।

आवेदन का प्रारूप

1- आवेदन/आवेदिका का नाम 2- भूतपूर्व कर्मचारी का नाम 3- टिकट संख्या/कर्मचारी संख्या 4- पदनाम एवं अन्तिम कार्यस्थल 5- पूर्व कर्मचारी के साथ आवेदक/आवेदिका का सम्बन्धं 6- वर्तमान पता 7- सेवानिवृत्ति तिथि 8- सेवा निवृत्ति का प्रकार (सामान्य/स्वैच्छिक/अनिवार्य) 9- पी.पी.ओ. संख्या (छाया प्रति संलग्न की जाये।) 10- अन्तिमं वेतन एवं वेतनमान 11- शिकायत का विस्तृत विवरण 12- मोबाईल न0 एवं सम्बन्धित पे ग्रुप संख्या

नोट - कृपया लिफाफे पर पेंशन अदालत जून-2025 का उल्लेख करें तथा आवेदन 03 प्रतियों में समस्त प्रपत्रो सहित उपलब्ध करायें।

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 638/25 (D)

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954